संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -272 गुरूवार , 03 अगस्त 2023,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

नहीं थम रहा हिंसा का दौर

» नूंह के बाद पलवल-गुरुग्राम में भी भड़की हिंसा

» अब तक 6 की मौत,दिल्ली से यूपी तक अलर्ट जारी

नई दिल्ली,02 अगस्त 2023 (ए)। नूंह में विश्व हिंदू परिषद के जुलूस को रोकने की कोशिश करने पर भड़की हिंसा गुरुग्राम में भी फैल गई है। बुधवार को भी हरियाणा के गुरुग्राम समेत कई जिलों से हिंसा की फिर खबरें आई हैं। हरियाणा में बिगड़े हालात को देखते हुए दिल्ली में भी अलर्ट जारी किया गया है।

इस सांप्रदायिक हिंसा में मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 6 हो गई है। वहीं अब तक अब तक 116 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। नूंह हिंसा पर हरियाणा के सीएम मनोहर लाल ने बताया, 'घटना में दो होम गार्ड और चार नागरिकों सहित छह लोगों की मौत हो गई है।

अब तक 116 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उनकी रिमांड ली जा रही है। दोषी पाए जाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। हम जनता की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। राज्य में स्थिति सामान्य है.÷ सीएम ने जनता से शांति, अमन और भाईचारा बनाए रखने की अपील की। नूंह में 2 अगस्त तक कर्फ्यू लगा दिया गया है। इलाके में पैरामिलिट्री की 13 कंपनियां तैनात की गई हैं।

नूंह, फरीदाबाद, गुरुग्राम और पलवल में मंगलवार यानी 1 अगस्त को सभी स्कूल-कॉलेज और कोचिंग सेंटर बंद कर दिए गए। नूंह में 10वीं, 12वीं की 1 और 2 अगस्त को होने वाली बोर्ड परीक्षाएं रद्द कर दी गई हैं। इधर, हरियाणा पुलिस ने घोषणा की है कि नूंह दंगों में जान गंवाने वाले होमगार्ड नीरज और गुरसेवक सिंह के आश्रितों को 57-57 लाख रुपए दिए जाएंगे।

हरियाणा में हुई हिंसा को देखते हुए दिल्ली में भी अलर्ट जारी किया गया है। दिल्ली में कई इलाकों में पुलिस और पारामिलिट्री की तैनाती की गई है ताकि किसी भी स्थिति से समय रहते निपटा जा सके। वहीं नूंह हिंसा की आग दिल्ली से सटे गुरुग्राम तक फैल गई। यहां बीती रात एक मस्जिद के इमाम की हत्या कर दी गई। इसके अलावा एक भोजनालय को आग लगा दी गई और दुकानों में तोड़फोड़ की गई। तनाव को देखते हुए हरियाणा के कुछ जिलों में हिंसा के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी में संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा बढ़ाई गई है। इस बीच हिंदू संगठन बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद हरियाणा में हिंसा के खिलाफ राष्ट्रीय राजधानी में प्रदर्शन कर रहे हैं।

यात्रा शुरू होते ही पत्थरबाजी, हिंसा और तोड़फोड़

विश्व हिंदू परिषद की अगुआई में हिंदू संगठन ब्रज मंडल यात्रा निकाली जा रही थी। यह नूंह के नल्हड़ स्थित नलहरेश्वर मंदिर में जलाभिषेक के बाद बड़कली चौक से होती हुई फिरोजपुर-झिरका के पांडवकालीन शिव मंदिर और पुन्हाना के सिंगार के राधा कृष्ण मंदिर तक जानी थी। पुलिस के मुताबिक, दोपहर एक बजे यात्रा बड़कली चौक पर पहुंची तो समुदाय विशेष के लोगों ने नारेबाजी करते हुए पथराव कर दिया। इसके बाद हिंसा बढ़ती गई।

8 अगस्त से लोकसभा में शुरू होगी अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा

इस दिन मोदी देंगे जवाब

नई दिल्ली,02 अगस्त 2023 (ए)। संसद के मॉनसून सत्र में विपक्ष की ओर से लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर 8 से 9 अगस्त के बीच चर्चा होगा और बाद में 10 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस पर जवाब देंगे। बता दें विपक्ष की ओर से कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था जिस पर पार्टियों का कहना है कि उन्हें पता है कि उनके पास बहुमत नहीं है कि वे मोदी सरकार को विश्वास प्रस्ताव में हरा सकें लेकिन, मणिपुर हिंसा पर पीएम नरेंद्र मोदी के जवाब के लिए यही आखिरी चारा है। बता दें मानसून सत्र शुरू होने के समय से ही विपक्ष पार्टियां ये मांग कर रही है कि मणिपुर हिंसा पर सदन में चर्चा हो और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद आकर जवाब दें। इस पर सत्ता पक्ष का कहना है कि वह मणिपुर के मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। हालांकि, पीएम मोदी ने अभी तक संसद में कोई टिप्पणी नहीं की है और ना ही मणिपुर मुद्दे पर जवाब देने के लिए तैयार हैं। लेकिन, अब अविश्वास प्रस्ताव के चलते 10 अगस्त को उन्हें संसद में जवाब देना होगा। मालूम हो मणिपुर में बीते 3 महीने से मेइती और कुकी समुदाय के बीच हिंसा जारी है। हिंसक घटनाओं में सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है और अब भी हिंसक घटनाएं शांत नहीं हुई हैं। इसी मुद्दे पर विपक्ष की मांग है कि पीएम मोदी संसद में आएं और इस पर जवाब दें क्योंकि विपक्ष ये जानना चाहती है कि आखिरकार सरकार से कहां चूक हुई जो इतने व्यापक स्तर पर हिंसा की घटनाएं हुई है और इस पर सरकार ने अब तक क्या किया है।

कार विस्फोट मामले में एनआईए ने एक और आरोपी को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली,02 अगस्त 2023 (ए)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पिछले साल दीपावली की पूर्व संध्या पर कोयंबटूर में विस्फोटकों से भरी कार में एलपीजी सिलेंडर विस्फोट के मामले में एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही पिछले साल 23 अक्टूबर की रात टेक्सटाइल सिटी में संगमेश्वर मंदिर के सामने हुए कार विस्फोट के सिलसिले में गिरफ्तार आरोपियों की कुल संख्या 12 हो गई है।

पकड़े गए आरोपी की पहचान कोयंबटूर के उक्कदम इलाके के मूल निवासी मोहम्मद इदरीस (25) के रूप में हुई। इदरीस पर कोट्टईमेडु में मंदिर के सामने कार विस्फोट के कथित मास्टरमाइंड जमीशा मुबीन का करीबी सहयोगी होने का संदेह है , जो विस्फोट में मारा गया था। बाद में वह एक आत्मघाती हमला निकला था।

सूत्रों ने बताया कि इदरीस उस आपराधिक साजिश का हिस्सा था जिसके कारण कार विस्फोट हुआ। एनआईए अधिकारियों ने उसके मोबाइल कॉल डिटेल रिकॉर्ड और मामले में गिरफ्तार किए गए अन्य आरोपियों द्वारा किए गए कबूलनामे की जांच के बाद साजिश में इदरीस की भूमिका पाई।

यदि उन्हें माफी मांगनी होती...

» राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट में दिया जवाब

नई दिल्ली,02 अगस्त 2023 (ए)। मोदी सरनेम मानहानि केस में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट में जो हलफनामा दाखिल किया है, उसमें कहा गया है कि यदि उन्हें माफी ही मांगनी होती तो वह काफी पहले मांग चुके होते।

कांग्रेस नेता ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल जवाब में कहा है कि उन्होंने हमेशा कहा है कि वह अपराध के दोषी नहीं हैं और यह दोषसिद्धि टिकाऊ नहीं है...। यही नहीं कांग्रेस नेता ने यहां तक कहा है कि यदि उन्हें माफी ही मांगनी होती और अपराध स्वीकार करना होता तो वह ये बहुत ही पहले कर चुके होते। अहंकारी जैसे निंदनीय शब्द का इस्तेमाल राहुल गांधी ने अपने हलफनामे में कहा है कि शिकायतकर्ता और गुजरात के बीजेपी एमएलए पूर्नेश ईश्वरभाई मोदी ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किए गए अपने जवाब में उनके लिए अहंकारी जैसे निंदनीय शब्द का इस्तेमाल किया है, सिर्फ इसलिए क्योंकि उन्होंने माफी मांगने से इनकार कर दिया है।

न्यायिक प्रक्रिया का घोर दुरुपयोग है राहुल गांधी के शपथ पत्र में यह भी कहा गया है कि बिना किसी गलती के माफी मांगने के लिए राहुल गांधी से बदला लेने के लिए लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत आपराधिक प्रक्रिया का उपयोग करना, न्यायिक प्रक्रिया का घोर दुरुपयोग है...जिसे इस अदालत की ओर से समर्थन नहीं किया जाना चाहिए।

शिकायतकर्ता को कोई क्षति नहीं हुई-राहुल गांधी राहुल गांधी की ओर से सर्वोच्च अदालत को यहां तक बताया गया है कि उनका एक असाधारण मामला है, क्योंकि यह एक मामूली अपराध है और एक निर्वाचित सांसद के रूप में उन्हें इससे वापस पूरी न होने लायक क्षति हुई है....दूसरी तरफ शिकायतकर्ता को किसी भी तरह से कोई क्षति नहीं हुई है। राहुल गांधी ने लगाई दोषसिद्धि पर रोक की गुहार पूर्व कांग्रेस सांसद की ओर से आगे गया है कि इसी वजह से ये प्रार्थना की जाती है कि राहुल गांधी की दोषसिद्धि पर रोक लगाई जाए.... जिससे वे लोकसभा की मौजूदा बैठकों और उसके बाद के सत्रों में भाग ले सकें..... राहुल गांधी को इस केस में मिली है दो साल की सजा गौरतलब है कि इस मामले में राहुल गांधी को दोषी साबित किए जाने के बाद उनकी लोकसभा सदस्यता छिन चुकी है। वह केरल के वायनाड से कांग्रेस सांसद थे। इस साल 23 मार्च को गुजरात की एक मैजिस्ट्रेट अदालत ने उन्हें सारे मोदी चोर होते हैं के मामले में दोषी करार दिया था। बाद में गुजरात हाई कोर्ट ने भी उनकी सजा पर मुहर लगा दी थी।

इस केस में उन्हें दो साल की सजा सुनाई गई है, जिसकी वजह से उनकी लोकसभा सदस्यता खत्म हो चुकी है। राहुल के खिलाफ यह मुकदमा भाजपा नेता पूर्नेश मोदी ने किया था। हालांकि, अदालत से अभी राहुल को मिली सजा को निलंबित रखा गया है।

स्वतंत्रता दिवस के पहले बड़ी साजिश को अंजाम देने की तैयारी कर रहे

लश्कर के 2 आतंकी गिरफ्तार

जम्मू-कश्मीर,02 अगस्त 2023 (ए)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले से सुरक्षा बलों ने बुधवार को लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए सुरक्षा बलों ने बारामूला शहर के आजादगंज में वाहनों की जांच शुरू की। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि दो संदिग्ध लोग पुलिस जांच को देखकर भागने लगे। अधिकारी ने कहा, ''संदिग्धों को हालांकि को पकड़ लिया।

तलाशी के दौरान उनसे एक पिस्तौल, एक मैगजीन, चार कारतूस और एक हथगोला बरामद किए गए। इसके बाद उन्हें तुरंत हिरासत में ले लिया गया।÷ उन्होंने बताया कि दोनों की पहचान बारामूला के रहने वाले फैजल मजीद गनी और नुरुल कामरान गनी के रूप में हुई है। अधिकारी ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि ये दोनों आतंकवादी हैं और प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े हैं। इन्होंने स्वतंत्रता दिवस से पहले बारामूला शहर में आतंकी घटना को अंजाम देने के लिए हथियार और गोला-बारूद इकट्ठा किए थे।

हाईकोर्ट ने चीनी लिंक वाली कंपनी का टेंडर किया रद्द

बेंगलुरु ,02 अगस्त 2023 (ए)। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय सुरक्षा को जनहित से ऊपर बताते हुए भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) द्वारा एक चीनी कंपनी से संबंध रखने वाली एक निजी कंपनी को दिए गए टेंडर को अवैध करार देते हुए रद्द कर दिया। पीठ ने कहा, सक्षम प्राधिकारी के साथ पंजीकरण की उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना केवल जनहित का दावा राष्ट्रीय हित के खिलाफ नहीं किया जा सकता है।

अदालत ने बीएचईएल के इस तर्क को खारिज कर दिया कि इस स्तर पर हस्तक्षेप से परियोजना को लागू करने में देरी होगी। पीठ ने इस तर्क पर भी ध्यान नहीं दिया कि टेंडर रद्द करने से सरकार के खजाने पर वित्तीय दबाव पड़ेगा क्योंकि 50 फीसदी काम पहले ही पूरा हो चुका है।पीठ ने कहा कि बीटीसी ईपीसी लिमिटेड तकनीकी रूप से बोली के लिए योग्य नहीं थी और चीनी कंपनी के साथ उसके कंसोर्टियम ने उसे बोली के लिए योग्यता प्रदान की थी। बीटीसी ईपीसी लिमिटेड के वकील ने कहा कि वह बोली में भाग लेने वाली एकमात्र कंपनी थी और चीनी कंपनी के साथ उसका कंसोर्टियम केवल डिजाइन और इंजीनियरिंग प्रदान करने के लिए था। लेकिन पीठ ने इस तर्क को स्वीकार नहीं किया।ठ ने बीएचईएल को अपीलकर्ता नोएडा स्थित कंपनी की बोली पर विचार करने का निर्देश दिया। पीठ ने बीएचईएल को उच्चतम न्यायालय में अपील करने के लिए चार सप्ताह का समय भी दिया है।

संसद में हंगामे से लोकसभा स्पीकर नाराज

बोले-मैं कुर्सी पर नहीं बैठूंगा, राष्ट्रपति से मिले विपक्षी सांसद

नई दिल्ली,02 अगस्त 2023 (ए)। मणिपुर हिंसा मामले में बुधवार को संसद के दोनों सदनों में जमकर हंगामा हुआ। हंगामे के बीच जमकर नारेबाजी हुई। संसद में हो रहे हंगामे से लोकसभा स्पीकर ओम बिरला काफी खफा हैं। उन्होंने सदन में अनुशासन बहाल होने तक अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठने से इनकार कर दिया है। वहीं, मणिपुर के मुद्दे पर विपक्षी सांसदों ने बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। इस दौरान विपक्षी सांसदों ने मणिपुर के हालात के बारे में राष्ट्रपति को जानकारी दी और मणिपुर मुद्दे पर ज्ञापन सौंपा। राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि हम संसद में चर्चा करना चाहते हैं लेकिन सरकार जवाब नहीं दे रही है। संसद के मानसून सत्र का आज (2 अगस्त) 10वां दिन है। राज्यसभा में विपक्षी दलों ने मणिपुर हिंसा पर चर्चा की मांग की। विपक्ष ने रूल 267 के तहत 60 नोटिस दिए, जिन्हें सभापति जगदीप धनखड़ ने अस्वीकार कर दिया। इससे नाराज विपक्ष ने राज्यसभा से वॉकआउट कर दिया।

मणिपुर हिंसा के लिए नक्सलियों ने मोदी और गृहमंत्री को बताया जिम्मेदार

बैनर-पोस्टर लगाकर किया विरोध

मानपुर ,02 अगस्त 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों ने मणिपुर हिंसाका जिम्मेदार पीएम मोदी नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत को बताया है. माओवादियों ने मानपुर ब्लॉक के ढब्बा और कोराचा गांव के पास सड़क किनारे बैनर लगाया है. साथ ही सड़क में भी पोस्टर फेंका है. इस पोस्टर-बैनर को आर के बी डिवीजन के हवाले से जारी किया गया है.

नक्सलियों ने मणिपुर हिंसा का जिम्मेदार केंद्र सरकार को ठहराते हुए बैनर-पोस्टर के जरिए नेताओं को सजा देने की अपील की है. साथ ही कई तरह के आह्वान बैनर-पोस्टर में लिखे हैं. अभी भी सड़क में बैनर-पोस्टर लगे हुए हैं. पुलिस भी नहीं पहुंची है.

राम मंदिर के उद्घाटन की निकाली गई तारीख

पीएम मोदी को भेजी गई मुहूर्त की तिथि

हरिद्वार,02 अगस्त 2023 (ए)। यूपी के अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण अभी चल रहा है। ऐसे में आपको बता दें कि, रामलला के मंदिर के उद्घाटन के लिए शुभ मुहूर्त निकाल लिया गया है। इस दिन रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह किया जाएगा। ऐसे में मंदिर के उद्घाटन के लिए तीन तारीखे निकाली गई है। इस दिन देशभर के प्रमुख 25000 संतो-महंतों को बुलाने की योजना भी रखी गई है जिसमें बनवासी संत, बाल्मीकि, रविदास जी, कबीरपंथी, नानक पंथी, स्वामी नारायण, नाथ परंपरा और वैष्णव सन्यासी सहित भारतीय परंपराओं के संतो को शामिल किया जाएगा।

इसी कड़ी में राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के अंतरराष्ट्रीय कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद गिरी कहते हैं कि ,जनवरी 2024 के तीसरे सप्ताह में राम मंदिर का उद्घाटन अवश्य हो जाएगा ज्योतिष चार्जर के अनुसार 21 से 23 जनवरी के बीच राम मंदिर उद्घाटन की तिथि का चयन होगा। साथ ही ये तिथियां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजी गई है। प्रधानमंत्री उद्घाटन की तारीखों का चयन करेंगे ताकि राम मंदिर उद्घाटन के समय प्रधानमंत्री की उपस्थिति सुनिश्चित हो सके।

इसी के साथ उन्होंने आगे कहा कि, उद्घाटन के दिन के लिए निश्चित हुआ है कि मुख्य कार्यक्रम में केवल साधु संत महात्मा जी उपस्थित रहेंगे मुख्य कार्यक्रम संक्षिप्त होगा मंदिर में प्रतिष्ठा के बाद राष्ट्रीय और विश्व के लिए औपचारिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा साधु-संतों के दर्शन होने के बाद सभी लोगों के लिए मंदिर को खोल आ जाएगा। स्वामी गोविंद गिरी आगे कहते हैं कि, राम मंदिर उद्घाटन के समय देश में अयोध्या का माहौल बने इसके लिए प्रतिष्ठा से 7 दिन पहले पूरे देश से आहान किया जाएगा कि लोग राम लीला, राम कथा के साथ अनेक प्रकार के उत्सव का आयोजन करें।

ट्रिपल मर्डर से मचा हड़कंप

कटिहार ,02 अगस्त 2023 (ए)। बिहार के कटिहार में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जिले के कदवा प्रखंड स्थित बलिया बिलोन थाना इलाके के सीहपुर में घर से मां, बेटी और बेटे के खून से लथपथ शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया है। प्राथमिक जांच के अनुसार तीनों की गला काटकर हत्या की गई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। ट्रिपल मर्डर से इलाके में सनसनी फैल गई है।

संपादकीय

दोनों सदनों में विपक्ष को हराएगी सरकार

संसद में मानसून सत्र में दोनों सदनों में नरेंद्र मोदी सरकार और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के बीच शक्ति परीक्षण की तैयारी है और दोनों सदनों में विपक्ष को हराएगी सरकार। यह स्थिति खुद विपक्षी पार्टियों ने बनाई है, जिससे उनको कुछ भी हासिल नहीं होने वाला है। फिर भी यह संसदीय प्रक्रिया है, जिसके तहत लोकसभा में विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है, जिस पर इस हफ्ते चर्चा होगी। फिर प्रधानमंत्री जवाब देंगे और तब उस पर वोटिंग होगी। दूसरी ओर राज्यसभा में इसी हफ्ते दिल्ली का सेवा बिल पेश होगा। लोकसभा से पास होने के बाद इसे उच्च सदन में रखा जाएगा, जहां विपक्षी गठबंधन ने सरकार के साथ शक्ति परीक्षण की तैयारी की हुई है।

पहले अविश्वास प्रस्ताव पर बात करें तो सबको पता है कि उसमें क्या होना है। लोकसभा में सरकार के पास प्रचंड बहुमत है। मोदी सरकार को अपना बहुमत साबित करने के लिए किसी दूसरी पार्टी की भी जरूरत नहीं है। लोकसभा की पांच सीटें खाली हैं इसलिए बहुमत का आंकड़ा 270 सीट का है, जबकि भाजपा के अपने सांसदों की संख्या 301 है। उसकी सहयोगी पार्टियों की संख्या में इसमें जोड़ दी जाए तो आंकड़ा 331 तक पहुंच जाता है। सो, विपक्ष को अगर कुछ हासिल होना है तो वह बहस से होगा, आंकड़ों में तो कोई मुकाबला नहीं है। इसके बाद दिल्ली का सेवा बिल राज्यसभा में पेश होगा। इसके लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के नेत अरविंद केजरीवाल ने बड़ी मेहनत की है। उन्होंने पूरे देश का दौरा किया और सभी विपक्षी पार्टियों को एकजुट किया। संसद सत्र शुरू होने से पहले कांग्रेस ने भी इस मसले पर आम आदमी पार्टी का साथ देने का फैसला किया यानी वह भी विधेयक का विरोध करेगी। इसके बावजूद विपक्ष का आंकड़ा इतना नहीं बनता है कि वह सरकार को विधेयक पास कराने से रोक सके। राज्यसभा में भाजपा के अपने सदस्यों की संख्या 92 है। उसकी सहयोगी पार्टियों मनोनीत सांसदों को मिला कर एनडीए के कुल सदस्यों की संख्या 113 हो जाती है। वाईएसआर कांग्रेस के नेता जगन मोहन रेड्डी ने अपने नौ सांसदों का समर्थन सरकार को दे दिया है। सो, सरकार के पक्ष में 123 का आंकड़ा बनता है, जो बहुमत से ज्यादा है।

संसद ठप्प है, बिल पास हो रहे हैं!

संसद के पिछले कई सत्रों से एक खास ट्रेंड देखने को मिल रहा है। सत्र से ठीक पहले कोई न कोई ऐसी घटना सामने आ जाती है, जिस पर समूचा विपक्ष आंदोलित हो जाता है और पूरा सत्र उसमें जाया हो जाता है। इस बार मानसून सत्र से एक दिन पहले मणिपुर की दो महिलाओं को निर्वस्त्र करके घुमाने और उनके साथ यौन हिंसा का एक वीडियो वायरल हुआ। इसे लेकर संसद सत्र के पहले दिन से हंगामा शुरू हो गया, जो अभी तक जारी है। ऐसे ही बजट सत्र से पहले अडानी समूह को लेकर हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट आई थी और उस मसले पर पूरे सत्र में हंगामा हुआ था। उससे पहले पिछले साल के शीतकालीन सत्र के दौरान अरुणाचल प्रदेश के तवांग में भारत और चीन के सैनिकों के बीच झड़प होने का वीडियो सामने आया था और छोटा सा शीतकालीन सत्र इसे लेकर हुए हंगामे की भेंट चढ़ गया था। उससे पीछे जाएंगे तो ऐसी घटनाओं की एक लंबी सूची बन जाएगी, जो संसद सत्र से ठीक पहले हुई या ठीक पहले उनके बारे में खबर आई।

इसे लेकर दो तरह की साजिश थ्योरी की चर्चा है। मणिपुर का वीडियो सामने आने के बाद भाजपा ने आधिकारिक रूप से इसकी टाइमिंग पर सवाल उठाया और कहा कि जब घटना तीन मई की है तो संसद का मानसून सत्र शुरू होने से ठीक एक दिन पहले 19 जुलाई को इसका वीडियो क्यों वायरल कराया गया? भाजपा का कहना है कि विपक्ष के नेताओं को इस वीडियो के बारे में पहले से पता था और जान बूझकर संसद सत्र से एक दिन पहले वायरल किया गया। दूसरी ओर एक अन्य साजिश थ्योरी है, जिसके मुताबिक हर बार सरकार ही संसद सत्र से ठीक पहले कुछ ऐसा करा रही है, जिससे सत्र के दौरान हंगामा हो और कामकाज बाधित हो। बहरहाल, यह भी हो सकता है कि इसके पीछे कोई साजिश न हो यह सिर्फ एक संयोग हो। अगर यह संयोग है तो बहुत दिलचस्प संयोग है क्योंकि हर बार ऐसे हंगामे के बीच सरकार बिना किसी बहस से बेहद जरूरी और करोड़ों लोगों के जीवन पर असर डालने वाले विधेयक पास करा रही है।

सोचें, सरकार ने पहले ही विधेयकों को संसदीय समितियों को भेजना बंद कर दिया है। विधेयक सीधे संसद में पेश किए जा रहे हैं और वहां अगर विपक्ष का हंगामा चल रहा होता है तो बिना बहस के उसे पास करा लिया जाता है। क्या विपक्षी पार्टियों को यह बात समझ में नहीं आ रही है कि बिना चर्चा के बिल पास होना देश के लिए अच्छा नहीं है? वे जिस एक मसले पर हंगामा कर रहे हैं उस मसले का बहुत महत्व है लेकिन क्या सरकार जो बिल पास करा रही है उसका महत्व नहीं है? विपक्ष एक मुद्दे को लेकर उलझा रहता है और ऐसे कई मुद्दे उसकी नाक के नीचे से निकल जाते हैं। तभी यह सवाल भी उठता है कि क्या विपक्षी पार्टियां अपनी संसदीय जिम्मेदारी का सही तरीके से निर्वहन कर रही हैं? अच्छी बात है कि वे मणिपुर के मसले पर सरकार को घेर रही हैं या प्रधानमंत्री के बयान की मांग कर रही हैं लेकिन क्या सचमुच विपक्षी पार्टियों को लग रहा है कि प्रधानमंत्री बयान दे देंगे तो मणिपुर की समस्या का समाधान हो जाएगा? विपक्ष को पता है कि ऐसा नहीं होगा लेकिन सिर्फ अपनी राजनीति चमकाने के लिए

और चुनावी साल में सरकार को बदनाम करने के लिए सारे जरूरी मुद्दे छोड़ कर विपक्षी पार्टियां मणिपुर के मसले के पीछे पड़ी हैं। विपक्षी पार्टियां मणिपुर के मसले पर हंगामा करती रहीं और इस दौरान मानसून सत्र के पहले सात दिन में सरकार ने लोकसभा से पांच और राज्यसभा से तीन विधेयक पास करा लिए। ये विधेयक करोड़ों लोगों के जीवन पर प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से असर डालने वाले हैं। इनमें से एक विधेयक पर जरूर ढाई घंटे की चर्चा हुई वरना नौ मिनट से लेकर 42 मिनट तक में विधेयक पास कर दिए गए। सरकार ने मल्टी स्टेट कोऑपरेटिव अमेंडमेंट बिल पास करा लिया और विपक्ष ने इस पर ध्यान ही नहीं दिया। सरकार ने वन संरक्षण (संशोधन) बिल पास करा लिया लेकिन विपक्षी पार्टियां संसद के बाहर प्रदर्शन करती रहीं। वन संरक्षण व आदिवासी अधिकारों के जानकारों का आरोप है कि यह बिल आदिवासी अधिकारों को कम करेगा क्योंकि इसमें सार्वजनिक परियोजनाओं के लिए बिना स्थानीय ग्राम सभा की मंजूरी के ही भूमि अधिग्रहण का प्रावधान है। इसी तरह सरकार ने रिपीलिंग एंड अमेंडिंग बिल 2022 को लोकसभा से सिर्फ नौ मिनट में पास करा लिया पर विपक्ष ने इसकी कोई परवाह नहीं की।

जन विश्वास अमेंडमेंट ऑफ प्रोविजन बिल, 2022 को सिर्फ 42 मिनट में लोकसभा से पास कराया गया। इस कानून में यह प्रावधान है कि घटिया या नकली दवा से मौत होने पर दवा कंपनियां जुर्माना चुका कर राहत हासिल कर सकेंगी। कांस्टीट्यूशन शिड्यूल ट्राइब्स ऑर्डर फिफ्थ अमेंडमेंट बिल 2022 को राज्यसभा ने पास कर दिया। बायोलॉजिकल डायवर्सिटी अमेंडमेंट बिल 2021 को लोकसभा ने पास कर दिया। कांस्टीट्यूशन शिड्यूल्ड ट्राइब्स ऑर्डर थर्ड अमेंडमेंट बिल 2022 को राज्यसभा ने पास कर दिया और सिनेमैटोग्राफी अमेंडमेंट बिल 2023 को भी राज्यसभा ने पास कर दिया। इस दौरान विपक्षी पार्टियां मणिपुर पर विरोध प्रदर्शन करती रहीं या फिर दिल्ली के अध्यादेश वाले विधेयक को लेकर रणनीति बनाती रहीं। सिनेमैटोग्राफी बिल पर ढाई घंटे की चर्चा हुई लेकिन सिर्फ सत्तापक्ष के या सरकार को मुद्दा आधारित समर्थन देने वाली पार्टियों के सांसदों ने इसमें हिस्सा लिया।

सरकार माइंस एंड मिनरल्स बिल लाने वाली है, जिसमें यह प्रावधान है कि वह जरूरी और कीमती माइंस एंड मिनरल्स की खदानें निजी क्षेत्र को दे सकती हैं। सरकार आईआईएम की स्वायत्तता घटाने का बिल ला रही है, जिसमें राष्ट्रपति को सभी आईआईएम का विजिटर बनाने का प्रस्ताव है और इसमें यह भी प्रावधान है कि सारे आईआईएम में नियुक्ति बोर्ड की बजाय राष्ट्रपति की मंजूरी से होगी। सरकार डाटा प्रोटेक्शन बिल लाने वाली है, जिससे सूचना के अधिकार पर प्रहार होना है। लेकिन ऐसा लग नहीं रहा है कि विपक्षी पार्टियों को इन विधेयकों की कोई परवाह है। वे अपने एकसूत्री एजेंडे के पीछे लगे हुए हैं। एक तरफ सरकार मनमाने तरीके से बिना बहस के विधेयक पास करा रही है तो दूसरी ओर विपक्षी पार्टियां सब छोड़ कर मणिपुर पर प्रदर्शन कर रही हैं या अरविंद केजरीवाल के एजेंडे को पूरा करने में लगी हैं।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि संसद का सुचारू संचालन सरकार की जिम्मेदारी होती है। लेकिन सरकार के साथ साथ विपक्ष की भी कुछ जिम्मेदारी होती है। पता नहीं विपक्षी पार्टियां इस तथ्य को क्यों ध्यान में नहीं रखती हैं कि चुनावों में देश की जनता सिर्फ सरकार नहीं चुनती है वह विपक्ष भी चुनती है। अगर उसकी चुनी सरकार की कुछ जिम्मेदारी है तो उसके द्वारा चुने गए विपक्ष की भी कुछ जिम्मेदारी है। कोई एक मुद्दा चाहे वह कितना ही महत्वपूर्ण क्यों नहीं हो उस पर संसद को पूरे सत्र में ठप्प किए रखना कहीं से भी अच्छी संसदीय राजनीति नहीं कही जाएगी। विपक्षी पार्टियों को सत्र से ठीक पहले 'संयोग' से उपलब्ध कराए गए मुद्दों के पीछे पड़ने की बजाय समग्रता में अपनी रणनीति बनानी चाहिए। जरूरी मुद्दे उठाने का एक संतुलित अनुपात होना चाहिए। मणिपुर के मुद्दे पर विरोध जारी रखते हुए भी विपक्षी पार्टियां सरकार की ओर से पेश किए जा रहे विधेयकों पर चर्चा में हिस्सा ले सकती हैं। विपक्ष के ऐसा नहीं करने से इस तरह के कानून बन रहे हैं, जो आम लोगों के हितों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

अजीत द्विवेदी

ऐसी जिंदगी से तो मौत अच्छी

मणिपुर की घटना ने झकझोर दिया।
अंतस घायल,हृदय में पीड़ा फोड़ दिया।
थक्का जम गया धमनियों में
चिथड़ा-चिथड़ा हो गया बदन।
बिलबिला रही तबियत मेरी
नस-नस में क्रोधाग्नि और तपन।
स्त्रियों की पीड़ा को देखकर
तन-बदन में भर गया है राख।
कैसे गुजरी होगी दिन बहनों की?
मनुजों में हैवानियत का साख।
इज्जत दिखती न क्षोभ, ग्लानि
मानव की मानवता मर गया है।
आदर से मिट्टी को वस्त्र पहनाते
सजीवों का तिरस्कार कर गया है।
जिस देश में बेटी को देवी कहते
वहाँ सतीत्व हरण,हत्या,मार-काट।
ऐसी बर्बरता किसलिए?
किसलिए जघन्य अपराधों का लाट?
शासन-प्रशासन बनी मूक दर्शक
क्रूरता में कही इन्ही का तो नही हाथ?
सतहत्तर दिवस बाद मुंह खोले
न कही कार्यवाही,न किसी के झुके माथ
शर्म आती है सब सत्ताधारी पर
जिसमें महफूस नही वनिता-बच्ची
इतनी भयावह अधिविचार-दुष्टता
ऐसी जिंदगी से तो मौत अच्छी।।

चन्द्रकांत खुंटे क्रांति
जांजगीर-चाम्पा
(छत्तीसगढ़)

बम-बम भोले

नमन करँव भोले बबा,आके तुँहरे द्वार
काम क्रोध ला टार के,कर दव बेड़ापार
सावन हावय सबले पावन ।
लागे संगी बड़ मनभावन ।।
गिरे झमाझम बरखा रानी ।
तोरे सेती होय किसानी ।।
सावन के हे महिमा भारी ।
जानत हावय दुनिया सारी ।।
जप लव संगी बम-बम भोले ।
भक्ति भजन मा मन हा डोले ।।
शिव भोला के महिमा गावव ।
मन चाहा सब फल ला पावव ।।
महाकाल हे औघड़दानी ।
सुफल करव हमरो जिनगानी ।।
दुरिहा नइहे भोले बाबा ।
मन मा हावय कांशी काबा ।।
ध्यान लगाके करलव पूजा ।
शिव भोला ले नइहे दूजा ।।
तन मा रहिथे बघवा छाला ।
कहिथें सब झन डमरू वाला ।।
बम भोला शम्भू कैलाशी ।
जगत पिता हे शिव अविनाशी ।।
गंगा तोरे जटा बिराजे ।
डम-डम सुग्घर डमरू बाजे ।।
धरे हाथ मा तिरशुल भाला ।
साँप- बिछी के पहिरे माला ।।
कृपा करव भोले भंडारी ।
भक्तन आवँय तोर दुवारी ।।
महादेव शिवशंकर भोला ।
बेल पान हा भावय तोला ।।

मुकेश उइके मयारू
कोरबा छत्तीसगढ़

शिक्षा और समाज को दिशा देता है प्रमोद दीक्षित का रचना कर्म

साहित्य वही समृद्ध होता है जो समाज की समस्याओं और विसंगतियों को आवाज दे सके और एक साहित्यकार तभी सफल माना जाएगा जब उसकी रचनाओं में आमजन का स्वर समाहित हो। प्रमोद दीक्षित मलय एक ऐसे ही साहित्यकार हैं जिन्होंने समाज के विभिन्न रंगों को साहित्य की अलग-अलग विधाओं में न केवल स्वयं बिखेरा है बल्कि शिक्षा जगत से जुड़े समाज की समझ रखने वाले तमाम शिक्षकों को लेखन की विभिन्न विधाओं में लिखने के लिए प्रेरित कर साहित्य को समृद्ध करने वाले सैकड़ों सृजन शिल्पी खड़े किये हैं।

पेशे से शिक्षक होने के कारण आपके सम-सामयिक आलेखों में शिक्षा जगत की तमाम चुनौतियों को बड़ी बारीकी से उकेरा गया है और उनके लिए एक बेहतर समाधान भी प्रस्तुत किया गया है। आप स्कूलों की सर्कस वाली और अध्यापकों की रिंग मास्टर वाली छवि से उबारकर विद्यालयों को आनंदघर बनाने की वकालत करते हैं। आपने अपने लेख के माध्यम से शिक्षा में नवीन शोधों के साथ-साथ पुरातन परंपरा को अपनाने पर भी विशेष बल दिया है। तकनीकी के जमाने में पुस्तकों से दूर होते जा रहे समाज को पुस्तकों से जोड़ने पर बल देते हुए पुस्तक पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देने का कार्य किया है। आपका मानना है- पढ़ना केवल छपी सामग्री का वाचन नहीं है बल्कि शब्दों के अर्थ बोध को स्वयं में प्रकट करना है, समझ को बेहतर कर मानवता के उत्तुंग शिखर पर चढ़ना है।

गिजुभाई बधेका के शैक्षिक दर्शन को आगे बढ़ाते हुए शिक्षा में रंगमंच की भूमिका व शैक्षिक भ्रमण की आवश्यकता और उपयोगिता को बड़ी बारीकी से आपने अपने आलेखों में समाहित किया है-

नाट्य मंचन, संवाद संप्रेषण, भाव अभिव्यंजना और रसास्वादन साथ-साथ चलते हैं। यहां सिनेमा की भांति रिटेक के लिए कोई जगह और अवसर नहीं है।

आप बालक की सहज अभिव्यक्ति के लिए मातृभाषा को सशक्त माध्यम मानते हैं। आपका मानना है, मातृभाषा व्यक्ति के जीवन में माधुर्य एवं लालित्य का अमिय रस घोलती है।÷ शिक्षा और जीवन में गीतों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहते हैं-

जीवन में गीतों को सहयात्री बना ले, सांसों का साथी बना लें तो हर राह आसान हो जाएगी, जीवन उपवन सा सौरभमय और सुवासित हो जाएगा।

समाज को आईना दिखाते हुए कुष्ठ रोगियों और आधी आबादी की समस्याओं और आकांक्षाओं को एक नई दृष्टि प्रदान किया है। आपके आलेखों में प्रकृति के साथ हो रहे खिलवाड़ की पीड़ा झलकती है। आपने जल संकट, सूखे पनघट, प्यासे पोखर, विलुप्त होती गौरैया, कटते पेड़ों आदिक पर अपनी चिंता जाहिर करते हुए वर्टिकल फॉरेस्ट्री जैसे नवीनतम तकनीकों की विस्तृत व्याख्या प्रस्तुत की है। निश्चित रूप से ये आलेख समाज को एक नई दिशा प्रदान करेंगे।

आपने संस्मरण विधा में पाठा के गांधी गोपाल भाई और वहां के शोषित कोलों के साथ उनके कार्यों को बड़ी बारीकी से रेखांकित किया है। आप के ऐतिहासिक लेखों ने लाला लाजपत राय, बिपिन चंद्र पाल, रानी दुर्गावती, अजीमुल्ला खां, मदन मोहन मालवीय जी, रानी दुर्गावती, मैडम भीकाजी कामा, अशफाक उल्ला खां समेत अर्ध शताधिक क्रांतिकारियों के कार्यों, कुर्बानियों और वर्तमान परिप्रेक्ष्य में उनकी प्रासंगिकता को विशद् दृष्टि प्रदान किया है। भारतेंदु हरिश्चंद्र, विष्णु प्रभाकर सहित दर्जन भर साहित्यकारों के जीवन एवं कृतित्व को आपने अनोखे अंदाज में प्रस्तुत किया है। दृष्टिबाधित लोगों के लिए ब्रेल लिपि के अविष्कारक लुई ब्रेल की जीवन गाथा हो या गणित जगत के चमकते सितारे श्रीनिवास रामानुजन की अद्भुत कहानी, सबको आपकी लेखनी ने समाज के समक्ष प्रस्तुत करने का कार्य किया है। आपकी लेखनी ने जब पुस्तकों की समीक्षा की है तो पुस्तक का सार तत्व ही समेट दिया है। आपके द्वारा समीक्षित कृतियां छूटा पीछे पहाड़ (देवेंद्र मेवाड़ी), आगे से फटा जूता, खूबसूरत मोड़ (रामनगीना मौर्य), पहला अध्यापक (रूसी लेखक चिंगिज ऐटमाटोव), हैंडल पैंडल, स्टेजिंग एरिया (मितेश्वर आनंद), चुनी हुई कहानियां, स्मृति की खिड़की (जितेंद्र शर्मा), सफर हमारे (प्रबोध उनियाल), यात्री हो चला (भागवत सांवरिया), अब पहुंची हो तुम (महेशचंद्र पुनेठा), बराली एक्सप्रेस (जगमोहन चोपता), उम्मीद के रंग (संपा. - प्रभात) आदिक पुस्तकों की समीक्षा पढ़ने के बाद पाठक पुस्तक पढ़ने के लिए लालायित हो जाता है। आपने मीत बनते ही रहेंगे (सीमा मिश्रा), पंखुड़ियां (प्रतिमा यादव) कविता पुस्तकों की भूमिका लिखकर कृतियों का महत्व बढ़ा दिया है।

आपके दोहों ने प्रकृति के विभिन्न घटकों फूल, रंग, धूप, गिरि, कानन, वसुधा, बंजर, होला, फागुन, राजनीति और अपराध आदिक के गूढ़ रहस्यों को विभिन्न कलों में बांधकर पाठकों के समक्ष परोसा है। आपके प्रकृति के मानवीकरण का एक नमूना देखिए-

सरिता तट तरुणी खड़ी, डगर बिछाए नैन।
जोति जगी पिय मिलन की, नहीं परत अब चैन।।÷

राजनीति के अपराधीकरण के दर्द को खोलता दोहा-

अपराधी को जब मिले, राजनीति का हस्त।
लोक पंगु हो जूझता, बेदम पीड़ित पस्त।।

आपने शिक्षक के रूप में बच्चों का मार्गदर्शन करने के साथ ही तमाम शिक्षकों का भी मार्गदर्शन किया है और उन्हें साहित्य सर्जना की ओर उन्मुख किया है। इसी प्रयास के क्रम में आपके द्वारा 18 नवम्बर, 2012 को शैक्षिक संवाद मंच की स्थापना की गई और इस मंच के माध्यम से उत्तर प्रदेश के साहित्यिक अभिरुचि के रचनाधर्मी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को खोज कर उनके अंदर की छिपी प्रतिभा को पहचाना गया है और साहित्य की विभिन्न विधाओं में प्रशिक्षण प्रदान कर लेखन की ओर प्रवृत्त किया गया। विभिन्न शिक्षकों द्वारा लिखे और आपके द्वारा संपादित संग्रहों में पहला दिन, हाशिए पर धूप, कोरोना काल में कविता, प्रकृति के आंगन में, स्मृतियों की धूप-छांव, राष्ट्र साधना के पथिक आदिक शिक्षकों की रचनाओं से सजे साझा संग्रह न केवल पाठकों के बीच सराहे गए हैं बल्कि हिंदी साहित्य को समृद्ध करने में अमूल्य योगदान दिए हैं। आपके मार्गदर्शन में सौ से अधिक शिक्षक आज भी यात्रा वृत्तांत, डायरी लेखन, अनुभव आधारित लेखन और कविता लेखन कर रहे हैं और साहित्य को उत्तरोत्तर समृद्धि की ओर ले जा रहे हैं।

जीवन सतत गतिशील है क्योंकि वह समय के डोर से बंधा है और समय कभी डरता नहीं कालचक्र अनवरत गतिमान है।

आपका साहित्य समाज को मलय जैसी शीतलता निरंतर प्रदान करे ऐसी मेरी कामना है। आपकी शब्द साधना यूं ही सुख की छांव प्रदान करती रहे जैसा कि आप चाहते हैं-

शब्दों की सुख छांव में, सदा मिले आराम।
साधक को देते रहें, सिद्ध मधुरता नाम।।

शब्द साधक सरस्वती पुत्र प्रमोद दीक्षित मलय की साहित्य साधना अनथक अविराम चलती रहे और साहित्य की विभिन्न विधाओं के कृतिरूप सुगंधित सुमन खिलते रहेंगे, ऐसा विश्वास है।

दुर्गेश्वर राय
गोरखपुर उत्तरप्रदेश

मेहनत का फल

एक शहर में एक विद्यालय रहता है जो कि शहर के प्रमुख विद्यालयों में से एक माना जाता है इस विद्यालय में लगभग हजारों की संख्या में बच्चे शिक्षा प्राप्त कर रहे है । बहुत सारे बच्चे विद्यालय से निकल भी गए और अपनी बेहतर जिंदगी जी रहे है। कुछ सरकारी जॉब में उच्च पद पर हैं, कुछ प्राइवेट जॉब में, कुछ बिजनेस कर रहे हैं तो कुछ ऐसे भी हैं जो जैसे तैसे अपना जीवन यापन कर रहे हैं शहर में विद्यालय का काफी बड़ा नाम है । यह कहानी दो सहपाठी की है जो कि उसी विद्यालय में कक्षा आठवीं में पढाई करता है राम और श्याम । राम कक्षा का मेधावी छात्र है और श्याम अपने नाम की ही तरह कक्षा में औसत से भी कम स्कोर करने वाला विद्यार्थी है ।

राम मेधावी छात्र होने के कारण उसका कक्षा में अच्छा खासा बनता है उसके बहुत सारे मित्र हैं, कई मित्र इसलिए भी हैं कि वह कक्षा में पढ़ाई थोड़ा कम और शैतानी किया करता है बदले में वह रात को और सुबह सवेरे उठकर पढ़ाई कर लेता है इस मामले में वह बड़ा ही तेजस्वी है और इधर श्याम कक्षा में पढ़ाई के वक्त ध्यान देता पर उतना इसे समझ नहीं आता, रात को थोड़ा बहुत पढ़ाई करता फिर सो जाता है शायद इसलिए परीक्षा में वह औसत नंबर से भी कम स्कोर कर पाता है । अतः कई बच्चे इस मामले में उसका मजाक भी उड़ाते हैं ।

श्याम का मजाक उड़ाया जाता उसके कक्षा के परिणाम के कारण, श्याम अब पहले से ज्यादा मेहनत करने लगा और राम कक्षा में अव्वल आता रहा । इसी प्रकार समय बीता और 10वीं की बोर्ड परीक्षा हुई जिसमें राम सबसे अव्वल आया और श्याम औसत नंबर से दसवीं कक्षा उत्तीर्ण की ।

एक दिन किसी कारणवश राम और श्याम में झगड़ा हो गई । इस बार राम और उसके मित्रों द्वारा श्याम का भारी मजाक उड़ाया जाता है जोकि श्याम के हृदय में चुभ जाती है अब श्याम ने बदला लेने की सोची ऐसा कहा जाता है दुनिया की ज्यादातर बड़ी जंग बदला लेने के लिए ही हुई अब श्याम कड़ी मेहनत कर राम से आगे निकलना चाहता है और इधर राम का मन इस सांसारिक मोह माया में पड़ जाता है अक्सर इसका परिणाम होता है समय की बर्बादी जो कि बाद में इसका महत्व समझ में आता है समय बीता, कुछ समय बाद राम को लगा मैं त्रुटिपूर्ण राह पर चल रहा हूं फिर इसे त्यागा और पढ़ाई में लग गया अब उसे पढ़ाई में पहले इतना मन नहीं लगता है उधर श्याम कड़ी मेहनत करता रहता है ।

समय बीता फिर 12वीं की परीक्षा हुई इस बार श्याम सबसे आगे ही नहीं बल्कि जिला में प्रथम स्थान प्राप्त किया और राम का नाम विद्यालय में तीसरा स्थान तक भी नहीं आया। इस बार राम दुखी होता है और श्याम बहुत ही प्रसन्न।

अब दोनों विद्यालय से निकल गए और दोनों अपना-अपना फील्ड चुनकर कड़ी मेहनत कर आगे बढ़ने लगे ।

समय बीता कई साले बीती, अब राम कड़ी मेहनत कर मिलिट्री ऑफिसर बन गया और उसके कुछ वर्षों बाद श्याम देश का राष्ट्रपति बन जाता है जो कि देश के तीनों सेनाओं का प्रमुख होता है

शिक्षा– हमें कभी भी किसी की स्थिति परिस्थिति देखकर मजाक नहीं उड़ाना चाहिए, समय बदलते देर नहीं लगती । जरूरी नहीं है आज जो आप से पीछे है वह कल आपसे आगे नहीं आ सकता और हमें इस सांसारिक मोह माया को छोड़ अपने लक्ष्य के लिए संघर्ष करते रहना चाहिए क्योंकि परिणाम देर से ही सही, पर मिलती जरूर है ।

अमरेश कुमार वर्मा
बेगूसराय,
बिहार

हमर सियान हमर अभिमान

श्री रमेश बैस :सरल,सहज,मिलनसार एवं कर्मठ व्यक्तित्व

सरल, सहज, मिलनसार एवं कर्मठ राजनीतिज्ञ एवं महाराष्ट्र के राज्यपाल श्री रमेश बैस हर वर्ग में लोकप्रिय हैं. उन्होंने 1978 में पार्षद से अपने राजनीतिक जीवन की शुरुवात की तत्पश्चात 1980 में मंदिरहसौद विधानसभा से चुनाव जीत कर मध्यप्रदेश विधानसभा के लिए निर्वाचित हुए। वे 1989 में रायपुर से 9वीं लोकसभा के सदस्य के रूप में पहली बार निवाचित हुए तत्पश्चात 1996 में 11वीं, फिर 12वीं, 13वीं, 14वीं, 15वीं और 16वीं लोकसभा में लगातार चुने गए. उन्होंने श्री अटलबिहारी वाजपेयी सरकार में केंद्रीय राज्य मंत्री के रूप में इस्पात एवं खान, रसायन और उर्वरक, सूचना और प्रसारण जैसे विभिन्न विभागों को संभाला और पर्यावरण व वन तथा खनन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में भी कार्य किया। 15वे लोकसभा में वे भाजपा संसदीय दल के मुख्य सचेतक बनाये गए. इसके अतिरिक्त उन्होंने सन 1992 में मध्यप्रदेश कृषि एवं बीज विकास निगम के अध्यक्ष के रूप में तथा संगठनात्मक रूप से मध्यप्रदेश भाजपा के प्रदेश मंत्री एवं प्रदेश उपाध्यक्ष के रूप में संगठन में काम किया तथा छत्तीसगढ़ में भाजपा के विस्तार में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है. सप्रे स्कूल मैदान से आमसभा में जब तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी ने छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण का संकल्प लिया तब तालियों से पूरा मैदान गूंज उठा था. इस संकल्प के पूर्व श्री बैस ने ही श्री वाजपेयी जी को छत्तीसगढ़वासियों की छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण की बहुप्रतीक्षित मांग से अवगत कराया था. संसद में जब राज्य पुनर्गठन विधेयक पेश हुआ तब श्री रमेश बैस वाजपेयी सरकार में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) थे, स्वाभाविक रूप से राज्य पुनर्गठन विधेयक के निर्माण से लेकर उसे पारित कराने तक आपकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है.

केंद्रीय मंत्री के रूप में छत्तीसगढ़ के सर्वांगीण विकास में श्री बैस जी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है. केंद्र की अनेक महती योजनाओं को उन्होंने धरातल पर उतारा। राज्य की जनता को बेहतर स्वास्थ सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से श्री बैस जी के पहल पर ही रायपुर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की स्थापना हुई, जिससे छत्तीसगढ़ के निवासियों को कम दर पर बेहतरीन इलाज की सुविधाएं मिल रही है. हम सब वाकिफ है कि कोरोना काल में रायपुर का एम्स पीड़ितों के लिए वरदान सिद्ध हुआ है.

अत्यंत सरल, सहज एवं मृदुभाषी श्री रमेश बैस की कृषि व काष्ठकला में काफी रूचि है. कृषि एवं कृषक कल्याण तथा ग्रामीण विकास में आपका महत्वपूर्ण योगदान है, इनकी लोकप्रियता का एक मुख्य कारण ये भी रहा कि सांसद के रूप में रायपुर लोकसभा क्षेत्र का कोई ऐसा गांव नही जहां श्री बैस जी ने प्रवास ना किया हो. आज भी वे क्षेत्र के हर गांव के 50-100 बुजुर्गों, युवाओं एवं महिलाओं को उनके नाम से संबोधित करते है. इनके चार दशक से भी लंबे राजनीतिक कार्यकाल में रायपुर लोकसभा क्षेत्र में ऐसा कोई ग्राम पंचायत, नगर पंचायत, नगर पालिका या नगर निगम क्षेत्र नही है जहां आपने सांसद निधि से कोई काम ना कराया हो. अपने संसदीय क्षेत्र में उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ एवं सिचाई सुविधाओं के विस्तार पर सदैव ध्यान दिया है और आधारभूत संरचना को विकसित किया है. श्री रमेश बैस जी की कर्मठता, लगनशीलता एवं लंबे प्रशासनिक अनुभव को देखते हुए भारत सरकार ने उन्हें जुलाई 2019 में त्रिपुरा का राज्यपाल नियुक्त किया वे जुलाई 2021 तक वे त्रिपुरा के राज्यपाल रहे. तत्पश्चात जुलाई 2021 में उन्हें झारखंड का राज्यपाल नियुक्त किया गया, वे 17 फरवरी 2023 तक झारखंड के राज्यपाल के रूप में कार्यरत थे. वर्तमान में वे 18 फरवरी 2023 से महाराष्ट्र के राज्यपाल है. महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्य में राज्यपाल की जिम्मेदारी का निर्वहन करने के बावजूद छत्तीसगढ़ से उनका निरंतर संपर्क बना हुआ है. बुधवार 2 अगस्त 2023 को उनके रायपुर आगमन पर हमर सियान हमर अभिमान आयोजन समिति रायपुर के तत्वावधान में सर्व समाज द्वारा उनका नागरिक अभिनन्दन किया जा रहा है. यह संयोग ही है कि 2 अगस्त को उनका जन्मदिन भी है।

अशोक बजाज
रायपुर छत्तीसगढ़

मुझे मुस्कुराना पड़ा

बहुत रोना आ रहा था मुझे,पर
कनक कलेवर अल-सुबह को
हौले-हौले उनके हँसने पर
शबनम की रदनपंक्तियाँ देख
मुझे मुस्कुराना पड़ा।
बहुत रोना आ रहा था मुझे,पर
मध्यदिवस शीतोष्ण अवधि को
शांत श्वेत सरोवर की गोद पर
बाल तरंगों की अठखेलियाँ देख
मुझे मुस्कुराना पड़ा।
बहुत रोना आ रहा था मुझे,पर
रजकण मिश्रित सिंदूरी शाम को
नीड़ लौटे परिन्दों के कलरव से
गूँजित हरित तरुडालियाँ देख
मुझे मुस्कुराना पड़ा।

टीकेश्वर सिन्हा
घोटिया-बालोद
छत्तीसगढ़

प्रिय केंचुआ

हल चलाने वाले से पहले
भूमि की जुताई करो
वस्तु को तराशना
भूमि तैयार करता है
वो केंचुआ...
अरे केंचुआ?
ऐसा कोई नहीं...
इसे नजरअंदाज न करें
धरती -
जियो और बढ़ो
हल चलाने वाले के मित्र के रूप में
न केवल...
इस धरती को उर्वर बनाओ और
जीवन दो
वो माननीय केंचुए...

ओत्तेरी सेल्वा कुमार
चेन्नई-तमिलनाडु

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

दो दिनों से हो रही झमाझम बारिश से नादी नाले उफान पर,शहर के निचले इलाकों में घुसा पानी

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 02 अगस्त 2023
(घटती घटना)

दो दिनों से ही हो रही झमाझम बारिश ने किसानों के चेहरे पर मुस्कान ला दिया है। नदी नाले उफान पर हैं। वहीं अंबिकापुर शहर के कई इलाकों में पानी घुसने से जलजाव की स्थिति निर्मित होने से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई। बारिश के इस सिजन में झमाजझम हुई बारिश ने नगर निगम के ड्रेनेज सिस्टम की पोल खोलकर रख दी है। पूरा शहर पानी-पानी हो गया है। पानी की निकासी सही नहीं होने के कारण शहर के विभिन्न मार्गो पर तालाब की स्थिति निर्मित हो गई।

सरगुजा संभाग में झमाझम बारिश हो रही है। लगातार हो रही बारिश से एक ओर किसानों के चेहरे पर मुस्कान लौट आई है वहीं शहर के लोग की मुश्किलें बढ़ा दी है। शहर के कई इलाकों के घरों में पानी घुस जाने से लोग परेशान रहे। मंगलवार की रात से लगातार रूक-रूक कर हो रही झमाझम बारिश ने नगर निगम व जिला प्रशासन की तैयारियों की पोल खोलकर रख दी है। शहर के गई इलाकों में पानी भर गया। पूरा शहर जलमग्न हो चुका है। 15 दिन पूर्व शहर में

जल भ्राव को लेकर जिला प्रशासन ने जरूरी निर्देश दिए थे। पर सारी तैयारियों खोखली साबित हुई। शहर की सडक़ों पर तालाब जैसी स्थिति निर्मित हो गई। शहर के नावापारा, मायापुर, चांदनी चौक, घुटरा पारा, खैरबार, शिकारी रोड, नमनाकला नावागढ़ सहित अन्य जगहों पर पानी जल जमाव होने से कई घरों में पानी घुस गई है। मंगलवार की रात्रि से सुबह तक लगातार बारिश होने के कारण अंबिकापुर- झारखंड मार्ग पर स्थित राजपुर के पास ओकरा के गेउर नदी के ऊपर करीब 3 फीट पानी उफान आने के कारण आधा दर्जन गांवों का सम्पर्क टूट गया। बुधवार की सुबह करीब 6 से 11 बजे तक ओकरा नदी के ऊपर पानी का बहाव होने से उफान पर था। इसके कारण ओकरा, पतरापारा, अमदरी, कोरगी, खुमरी, डीगगनर, आदि का संपर्क पांच घंटे तक बाधित रहा। ओकरा नदी उफान आने के कारण स्कूल जाने वाले विद्यार्थी व शिक्षक, गांव के ग्रामीण फंसे रहे।

पानी निकासी की व्यवस्था सुदृढ़ कराने का निर्देश

बारिश के बीच शहरी व्यवस्था का निरीक्षण करने कलेक्टर कुन्दन कुमार एवं एसपी सुनील शर्मा एक साथ निकले। शहर के सत्तीपारा में कैलाश मोड़ के पास नाला उफान पर होने की सूचना मिलते ही कलेक्टर ने स्वयं पहुंचकर वस्तुस्थिति का मुआयना किया, उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को जल्द से जल्द सुरक्षा के इंतज़ाम करने तथा आवश्यक व्यवस्था के निर्देश दिए और शहर के लोगों से बात कर उन्हें आश्वस्त किया। इसी प्रकार उन्होंने नगर निगम अम्बिकापुर क्षेत्र के अन्य स्थानों का भी अवलोकन किया। जिसमें रिलायंस पेट्रोल पम्प के पास मार्ग में जलजमाव की स्थिति को देखते हुए यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने और पानी निकासी की व्यवस्था को सुदृढ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लोगों की सुरक्षा के मद्देनजर प्रशासनिक अधिकारी, ऐसे क्षेत्रों का अवलोकन कर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें। इस दौरान नगर निगम आयुक्त अभिषेक कुमार, अपर कलेक्टर एएल ध्रुव, एसडीएम पूजा बंसल मौजूद रहे। जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि जिले में वर्तमान में लगातार हो रही अच्छी वर्षा से घुनघुट्टा बांध भर गया है। बांध में वर्तमान में 54.45 मिलीयन घन मीटर पानी भरा है जो कि कुल जलभराव क्षमता 62.05 मिलियन घन मीटर का 87.76 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि बांध में 581.00 मीटर लेवल तक पानी भरा जा सकता है, जो कि वर्तमान में 580.70 मीटर तक पहुंच गया है। इसे देखते हुए बांध के 8 गेट में से 4 गेट खोले गए हैं, जिसके माध्यम से 200 क्युमेक पानी नदी में प्रवाहित किया जा रहा है। भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के सभी तहसीलों में 24 घण्टे के दौरान 31 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। इस दौरान सर्वाधिक 56.8 मिमी औसत वर्षा लुण्ड्रा तहसील में दर्ज की गई है। इसे मिलाकर पूरे जिले में जून से अब तक 222.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज़ की गई है। 1 जून से 2 अगस्त 2023 तक तहसील अम्बिकापुर में 237 मिमी, तहसील दरिमा में 160.8 मिमी, तहसील लुण्ड्रा में 189.9 मिमी, तहसील सीतापुर में 308.1 मिमी, तहसील लखनपुर में 273.2 मिमी, तहसील उदयपुर में 191.5 मिमी, तहसील बतौली में 190.2 मिमी एवं तहसील मैनपाट में 228 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज गई है।

युवक की हत्या करने के बाद आरोपी मृतक की पत्नी से किया था बलात्कार

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 02 अगस्त 2023
(घटती घटना)

युवक की हत्या के मामले में मणिपुर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी युवक की हत्या करने के बाद उसकी पत्नी को डराधमका कर बलात्कार की भी घटना को अंजाम दिया था। जिसे पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 302, 376 व 506 के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मणिपुर थाना क्षेत्र के दर्रीपारा स्थित निर्माणधीन मकान में झोपड़ी बनाकर जशपुर निवासी सुखलाल रहता था। वह एक महिला को पत्नी बनाकर रखा था। सोमवार की रात को सुखलाल व उसकी पत्नी सो रहे थे। रात करीब 12 बजे पूर्व परिचित कार्तिक कोरवा सुखलाल के झोपड़ी में पहुंचा। सुखलाल अपनी पत्नी के साथ कार्तिक का अवैध संबंध होने की बात को लेकर विवाद करने लगा। इस दौरान कार्तिक ने डंडे से मार कर सुखलाल को मौत के घाट उतार दिया और डराधमका कर उसकी पत्नी के साथ बलात्कार भी किया। इसके बाद वह मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मृत्का की पत्नी ने मणिपुर पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की और महिला के बयान के आधार पर पुलिस ने आरोपी दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम पंपापुर निवासी कार्तिक कोरवा को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी मणीपुर निरीक्षक प्रदीप जायसवाल, उपनिरीक्षक नरेश गुप्ता, सहायक उपनिरीक्षक भूपेश सिंह, विवेक पाण्डेय, प्रधान आरक्षक सतीश सिंह, महेश्वर सिंह, आरक्षक अतुल शर्मा, राहुल सिंह, अमित विश्वकर्मा, इम्तियाज़ अली शामिल रहे।

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय ने जल्दबाजी में जारी किया है परीक्षा परिणाम

-संवाददाता-
अंबिकापुर,02 अगस्त 2023
(घटती घटना)

संभाग के सबसे बड़े विश्वविद्यालय संत गहिरा गुरु द्वारा सत्र 2022-23 की कुछ माह पूर्व परीक्षा आयोजित की गई थी जिसके पश्चात अब लगभग सभी विषयों की परीक्षा परिणाम घोषित की जा रही है। इसी बीच 2 अगस्त मंगलवार को विश्विद्यालय द्वारा बी.ए द्वितीय वर्ष का परीक्षा परिणाम जारी किया गया जिसमें मनेंद्रगढ़ के स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय के छात्रों का परीक्षा परिणाम अंसतोषजनक रहा। छात्रों के संगीत की दो विषयों की परीक्षा हुई जिसमें संगीत की एक विषय की कॉपी बिना जांच किये ही विश्विद्यालय द्वारा लापरवाही में परिणाम घोषित कर दिया गया। जिसके बाद छात्रों के द्वारा विश्विद्यालय के वेबसाइट से परिणाम देखा गया जिसमें सभी छात्रों के परिणाम में विथहेल्ड आया है। छात्र इस तरह की लापरवाही से काफी नाखुश हैं। वहीं छात्रों का

साफ दावा है कि उनके द्वारा परीक्षा में सही तरीके से सभी प्रश्न हल किए गए थे उसके बावजूद उन्हें कम अंक दिए गए। जिसमें अंग्रेजी एवं इतिहास की कॉपिया शामिल है। छात्र अपने इस प्रकार के परीक्षा परिणाम से मानसिक रूप से प्रताड़ित हो रहे हैं एवं उनके भविष्य के लिए काफी चिंतनीय है। छात्र इस तरीके लापरवाही से असन्तुष्ट हैं एवं उचित जांच करने की मांग कर रहे हैं क्योंकि उनके द्वारा कड़ी मेहनत एवं ईमानदारी से गयी थी परीक्षा। जिसको देखते हुए गैर राजनीतिक दल आजाद सेवा संघ के प्रदेश सचिव रचित मिश्रा के नेतृत्व में एवं छात्र मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रतिक गुप्ता की उपस्थिति में संघ द्वारा कुलसचिव को ज्ञापन सौंपकर छात्रों की कॉपियों के साथ हुई गड़बड़ी की जांच कर जल्द कार्यवाही करने की मांग की गई जिस पर कुलसचिव द्वारा इसपर किसी प्रकार से उचित आश्वासन नही दिया गया।

झमाझम बारिश से किसानों को एक तरफ मिली राहत तो दुसरी तरफ आम जनजीवन हो रहा है प्रभावित

-संवाददाता-
कुसमी 02 अगस्त 2023
(घटती घटना)

विकासखंड कुसमी क्षेत्र में जहा किसान बीते कई दिनों से अच्छी बारिश के नही होने से परेशान थे,लेकिन अब बीती रात से लगातार झमाझम बारिश ने किसानों की चेहरे में मुस्कान ला दी खेतो में लबालब पानी भर गया जिससे अब धान का रोपा लगाने में दिक्कत नही आयेगी,वही दुसरी ओर जोरदार बारिश से नदी नाले तलाब भी पानी से लबालब हो गए जशपुर कुसमी मार्ग में गलफुल्झा नदी में पुल के उपर पानी भर गया था जिससे आने जाने में लोगो को दिक्कत हुई तो वही नदी से कुछ दुर आगे एक पुलिया निर्माण की वजह से राहगीरों को आने जाने में भी परेशानी उठानी पड़ी क्योंकि पुलिया निर्माण की वजह से साइड से सड़क आने जाने के लिए रास्ता बनाया गया था जिसमें पानी भर गया था जो

राहगीरों के लिए परेशानी का कारण बना, जब प्रशासन के अधिकारियों को जानकारी लगी तब प्रशासन ने टीम भेजकर मार्ग शुरू करने के लिय काम किया गलफुल्झा नदी का पुल पाईप के जरिए बनाया गया है जिसमे अक्सर कचड़ा भर जाता है जिसकी वजह से पानी पुल से उपर बहने लगता है प्रशासन की टीम के द्वारा कचड़ा हटाया गया और आवागमन बहाल किया गया, वही कुसमी शहर का राजा तलाब पहली बार इतना बाढ़ के पानी से भर गया की तलाब से पानी ओभर फ्लो होने लगा आसपास के लोग एकजुट हुए लोगो को तलाब टुटने की चिंता सताने लगी तो लोगो ने नगर पंचायत के कर्मचारियों को बुलाकर तलाब में जहा से पानी आ रहा था उसे बंद कराया गया साथ ही तलाब से सटे नाले को सड़क के लिए बंद कर दिया गया था जिससे खुलवाया गया ,वही आपको यह भी बता दे इन दिनों नगर पंचायत कुसमी के कामकाज से पार्षद गण काफी नाराज चल रहे है पार्षदों का आरोप है नगर पंचायत के अधिकारी कुसमी की जनता के कामकाज पर ध्यान नहीं देते ,जिसकी वजह से जनता को आय दिन परेशानी उठानी पड़ती है ,बहरहाल जिम्मेदार लोगो को यह समझना अति आवश्यक है की जनता से जुड़ा सार्वजिंक कार्य हो उसपर ध्यान देते रहना है ताकि जनता आपके कामकाज से खुस रहे अच्छा कार्य करने वाले अधिकारी हो या फिर जनप्रतिनिधि जनता की नजर में आप हमेशा सम्मान के पात्र बने रहेंगे ।

बोलेरो चोरी कर भाग रहे थे अज्ञात चोर, बिजली खंभे से टकराकर हुई दुर्घटनाग्रस्त

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 02 अगस्त 2023
(घटती घटना)

एक अगस्त की रात को शहर के केदारपुर से बोलेरो चोरी कर अज्ञात चोर भाग रहे थे। भागने के दौरान तेज रफ्तार बोलेरो बिलासपुर चौक से आगे मणिपुर थाना से पहले सडक़ किनारे विद्युत खंभा से टकरा गया। दुर्घटना इतनी जबरदस्त थी की वाहन के परखच्चे उड़ गए। वहीं वाहन चोरी कर भाग रहे चोरों के बारे में कुछ पता नहीं चला है। वहीं कोतवाली टीआई ने इस मामले में एफआई करने से भी मना कर दिया। पीड़ित वाहन चालक एफआईआर दर्ज कराने के लिए थाने में घंटो बैठा रहा।

जानकारी के अनुसार शहर के त्रिकोण चौक केदारपुर में पहुना दुकान के पास रहने वाले शनिराम पिता मुखलाल 30 वर्ष का बोलेरो वाहन एक अगस्त की रात अज्ञात चोरों ने पार कर दिया। घटना की जानकारी शनिराम को बुधवार की सुबह लगने पर वह मामले की रिपोर्ट दर्ज कराने कोतवाली पहुंचा। इसी बीच फोन से एक गैरेज संचालक ने बोलेरो को बिलासपुर रोड में विद्युत खंभे से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त होने की जानकारी दी। वाहन स्वामी व पुलिस मौके पर जाकर देखा तो बोलेरो क्रमांक सीजी 15बी 0868 दुर्घटनाग्रस्त था। आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका था। वाहन की स्थिति देखने के बाद वाहन में बैठे लोगों को बचना मुश्किल लग रहा है। वहीं मामले की रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए वाहन स्वामी शनिराम घंटो कोतवाली में बैठा रहा। इधर एफआईआर हो पाता की कोतवाली टीआई ने ड्यूटी अधिकारी को मोबाइल के माध्यम से एफआईआर न दर्ज करने के निर्देश दिए और गाड़ी को खींचकर घर ले जाने के लिए वाहन स्वमी को कहा गया। इधर बोलेरो वाहन मालिक इस बात को लेकर असमंजस में रहा कि गाड़ी जिस प्रकार दुर्घटनाग्रस्त हुई है, उसमें कोई इंज्यूरी न हुई हो, वहीं क्षतिग्रस्त बिजली के खंभों की रिपोर्ट विभाग द्वारा दर्ज कराने के बाद आरोप उस पर न आए, इसे लेकर संशय की स्थिति बनी हुई थी। शानिराम ने बताया कि वाहन का इंश्योरेंस नहीं होने के कारण वह उसे घर में ही खड़ी करके रखा था।

हाल ही में बने 45 लाख का नाला बारिश के पानी में बहा

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 02 अगस्त 2023
(घटती घटना)

नेहरू वार्ड क्रमांक 24 में स्थित सत्तीपारा में नगर निगम द्वारा 45 लाख की लागत से पानी निकासी के लिए नाले का निर्माण कराया था। नाले का निर्माण हुए महज 45 दिन भी नहीं हुए होंगे की बारिश के इस सिजिन में पहली बार हुई बच्छी बारिश को झेल नहीं सका और नाला भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। बारिश के पानी से लगभग 50 मीटर का नाला पूरी तरह बह गया। वार्ड के पूर्व पार्षद बबन सोनी ने बताया कि उक्त नाले का निर्माण भ्रष्टाचार के ममाले में चर्चित ठेकेदार प्रकाश राय

द्वारा निर्माण कराया गया था। जो कि पहली बारिश में नहीं झेल सकी। नाले के दीवार से लगे हुई कई विद्यत खंभे भी हैं। जो कि गिरने के कगार पर आ गया है। इससे जानमाल का भी नुकसान होने का भय बना हुआ है। उक्त नाले में शहर के गांधी चौक, कोर्ट परिसर सहित अन्य क्षेत्रों के नाली का पानी गुजरता है। उक्त नाली निर्माण की लागत 45

लाख रुपए बताई जा रही है। वार्ड के पूर्व पार्षद बबन सोनी का कहना है कि उक्त निर्माण में ठेकेदार व नगर निगम के संबंधित अधिकारी द्वारा पूरी तरह से भ्रष्टाचार किया गया है। नाले का निर्माण मानक के अनुरूप नहीं हुआ है। नाले के दीवार में रॉड का इस्तेमाल नहीं किया गया है। केवल रेत व नाम मात्र का सीमेंट उपयोग कर नाले का निर्माण कराया गया था। इस कारण एक बारिश भी नहीं झेल सका और नाला पहली बारिश में ही बह गया। बारिश में नाले बह जाने के बाद वार्डवासियों में आक्रोश है। वार्डवासियों ने नेहरू वार्ड के पूर्व पार्षद बबन सोनी के साथ मिलकर सडक़ जाम कर धरना प्रदर्शन किया। जिसमें वार्ड के सभी वार्डवासी उपस्थित रहे एवं वार्डवासियों का कहना है कि जब तक नगर निगम के संबंधित अधिकारियों को निलंबित नहीं किया जाएगा तब तक हम धरना करते रहेंगे।

मतदाता जागरूकता को लेकर निकाली गई बाइक रैली

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 02 अगस्त 2023
(घटती घटना)

सरगुजा कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी कुंदन कुमार के निर्देशानुसार एस डी एम बीआर खांडे के नेतृत्व में 2 अगस्त दिन बुधवार को ,मतदान हमारा स्वाभिमान, विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत मतदाता जागरूकता अभियान को लेकर बाइक रैली का अयोजन किया गया था। केवरा स्थित जनपद कार्यालय से एसडीएम बीआर खांडे के नेतृत्व में अधिकारियों कर्मचारियों के द्वारा मतदाता जागरूकता को लेकर जुनाडीह स्थित शासकीय

नवीन महाविद्यालय तक हाथों में तख्ता लेकर लेकर बाइक रैली निकाली गई। तथा विधानसभा निर्वाचन 2023 को लेकर मतदाताओं को शत प्रतिशत वोट डालने जागरूक किया गया। एसडीएम बी आर खांडे ने बताया कि विधानसभा निर्वाचन 2023 को लेकर 2 अगस्त से 31 अगस्त तक मतदाता सूची में नाम जोड़ने तथा काटने का कार्य बीएलओ द्वारा किया जाएगा। 1/10/2023 तक 18 वर्ष पूर्ण होने पर मतदाता सूची में नाम जोड़ने का प्रक्रिया प्रारंभ किया गया है। साथ ही उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर क्षेत्रवासियों से शत-प्रतिशत मतदान करने अपील की है। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी वेद प्रकाश पांडे प्रभारी तहसीलदार प्रांजल गोयल खंड शिक्षा अधिकारी सूरज प्रताप सिंह, मंडल संयोजक अरविंद गुप्ता, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर पी एस मार्को सहित समस्त विभाग के अधिकारी कर्मचारी बाइक रैली में शामिल हुए।

हड़ताल में खुले रहेंगे शासकीय उचित मूल्य दुकान

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 02 अगस्त 2023
(घटती घटना)

खाद्य अधिकारी ने बताया है कि शासकीय उचित मूल्य दुकान विक्रेता संघ जिला अध्यक्ष सरगुजा के द्वारा 1 अगस्त से 5 अगस्त 2023 तक हड़ताल में जाने एवं शासकीय उचित मूल्य दुकानों को बंद किये जाने की आवेदन प्राप्त हुई है। समस्त पात्र हितग्राहियों को शासकीय उचित मूल्य दुकान खाद्यान्न प्राप्त करना आवश्यक सेवा में शामिल होने के कारण निर्देशित किया गया है कि शासकीय उचित मूल्य दुकान खोल कर हितग्राहियों को खाद्यान्न का वितरण किया जाए। शासन से प्राप्त निर्देशानुसार माह जुलाई 2023 के अवितरित खाद्यान्न के वितरण की समय-सीमा अवधि 05 अगस्त 2023 तक निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि जुलाई 2023 के शेष खाद्यान्न के साथ-साथ माह अगस्त 2023 के भण्डारित खाद्यान्न का वितरण तत्काल प्रारंभ करने निर्देशित किया गया है। 05 अगस्त 2023 के पश्चात माह जुलाई 2023 के खाद्यान्न वितरण की अनुमति नहीं दी जावेगी। शिकायत प्राप्त होने पर आवश्यक वस्तु अधिनियम प्रावधानों के तहत कृत्य कार्यवाही हेतु विक्रेता स्वयं जिम्मेदार होगें।

C M Y K

सूर्य से निकले धमाके से नष्ट हुआ ग्रह का वायुमंडल, हबल स्पेस का दावा

वॉशिंगटन। हबल स्पेस टेलीस्कोप ने सौरमंडल के बाहर के एक नजदीक के ग्रह को देखा है। इस दौरान एक हैरान करने वाली घटना देखने को मिली। हबल ने पाया कि इस ग्रह का वायुमंडल उसके सूर्य से निकले धमाके के कारण नष्ट हो गया। यह घटना बताती है कि एक तारा कितना खतरनाक हो सकता है। पिछली बार जब हबल ने इस ग्रह को देखा था तब इसमें कुछ भी अलग नहीं दिखा था। यह एक लाल बौना तारा है, जिसे एयु माइक्रोस्कोपी या एयु माइक कहा जाता, जो सौरमंडल से बाहर 32 प्रकाश वर्ष दूर स्थित होता है। खगोलीय घटनाओं में 32 प्रकाश वर्ष बेहद कम दूरी मानी जाती है। नासा वैज्ञानिकों ने अब तक जिन ग्रह प्रणालियों को खोजा है उनमें से यह सबसे युवा है। यह तारा 10 करोड़ वर्ष से भी छोटा है। जो हमारी पृथ्वी के 4.6 अरब वर्ष पुराने सूर्य की आयु में एक छोटा अंश है। इस ग्रह प्रणाली को नासा के स्पिट्जर स्पेस टेलीस्कोप और ट्रांजिटिंग एक्सोप्लेनेट सर्वे सैटेलाइट ने 2020 में खोजा था। टेलीस्कोप इस तारे को देख रहे थे, तब उन्होंने इसके प्रकाश में गिरावट देखी। इसके बाद उन्हें पता चला कि उसके सामने से एक गैसीय ग्रह गुजरा है। इस ग्रह का नाम एयु माइक बी रखा गया, जिसे बाद में हबल टेलीस्कोप ने देखा। हबल टेलीस्कोप ने पाया कि यह 8.46 दिन में अपने तारे का एक चक्कर पूरा करता है। इस दौरान सबकुछ सामान्य लग रहा था। अब जब टेलिस्कोप ने इस ग्रह प्रणाली को फिर देखा तब वैज्ञानिक हैरान हो गए। वैज्ञानिकों ने पाया कि यह ग्रह अपने सूर्य के रेडिएशन का खामियाजा भुगत रहा है। सूर्य के धमाके इस ग्रह के हाइड्रोजन वातावरण को बाधित कर रहे हैं। इस सिस्टम में अभी तक दो ग्रह का पता चला है।

सिंगापुर से रवाना हुए क्रूज जहाज से लापता भारतीय महिला के परिवार के संपर्क में है भारत सरकार

सिंगापुर। भारत सरकार मलेशिया के उत्तरी द्वीपीय राज्य पेनांग से सिंगापुर जलडमरूमध्य से गुजरते समय एक जहाज से गिरकर लापता हुई भारतीय महिला के परिवार के साथ लगातार संपर्क में है। यहां स्थित भारतीय उच्चायोग ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह घटना सोमवार को हुई जब रीता साहनी (64) और उनके पति जाकेश साहनी (70) 'स्पेक्ट्रम ऑफ द सीज' जहाज पर सवार होकर पेनांग से सिंगापुर वापस जा रहे थे। दंपति की चार दिवसीय क्रूज यात्रा का सोमवार को आखिरी दिन था। महिला क्रूज जहाज से पानी में गिर गई। भारतीय उच्चायोग ने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण घटना की खबर मिलने के बाद से वह साहनी परिवार के साथ लगातार संपर्क में है। उच्चायोग ने कहा कि वह संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए सिंगापुर के अधिकारियों के संपर्क में भी है और कानूनी प्रक्रियाओं का सुलभ बनाने की कोशिश कर रहा है। मिशन ने कहा कि उसने रॉयल कैरेबियन क्रूज कंपनी के भारत मामलों के प्रमुख से भी संपर्क किया है। उच्चायोग ने कहा, ''हम इस मुश्किल समय में परिवार का पूरा साथ देने को प्रतिबद्ध है।'' 'द स्ट्रेट्स टाइम्स' की मंगलवार की खबर के अनुसार, 70 वर्षीय जाकेश जब उठे तो उन्होंने अपनी पत्नी को अपने कमरे से गायब पाया। जाकेश ने क्रूज पर अपनी पत्नी को ढूंढने की कोशिश की, लेकिन वह असफल रहे। बाद में उन्होंने जहाज के चालक दल को सूचित किया, जिन्होंने उन्हें बताया कि जहाज से कुछ सिंगापुर जलडमरूमध्य में गिरा है। यह सिंगापुर के साथ मलक्का जलडमरूमध्य और दक्षिण चीन सागर के बीच 113 किलोमीटर लंबा और 19 किलोमीटर चौड़ा व्यस्त शिपिंग मार्ग है।

यूक्रेन खाद्यान्न समझौते में रुकावट से संयुक्त राष्ट्र खाद्य कार्यक्रम पर पड़ा असर

बेरूत। यूक्रेन से खाद्यान्न को अफ्रीका, पश्चिम एशिया तथा एशिया के देशों में निर्यात करने के लिए हुए ऐतिहासिक समझौते में रुकावट आने के कारण संयुक्त राष्ट्र की खाद्य एजेंसी का काम प्रभावित हो रहा है जिससे संकटग्रस्त देशों में मदद पहुंचाने में दिक्कतें आ रही हैं। विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) के उप कार्यकारी निदेशक कार्ल स्काउ ने कहा, ''अब हमें अनाज के लिए किसी और देश से मदद लेनी होगी। हम नहीं जानते कि बाजार की क्या स्थिति रहती है लेकिन खाद्य पदार्थ की कीमतों में वृद्धि होगी।'' डब्ल्यूएफपी ने मंगलवार को बजट में कटौती का हवाला देते हुए जॉर्डन में दो शिविरों में रह रहे 1,20,000 सीरियाई शरणार्थियों के लिए हर माह दी जाने वाली नकद सहायता राशि को कम करना शुरू कर दिया जिससे शरणार्थी और जॉर्डन के अधिकारी परेशान हैं। एजेंसी ने कहा कि वह जॉर्डन में 50,000 शरणार्थियों को दी जाने वाली मदद में धीरे-धीरे कटौती करेगी। जॉर्डन में सीरियाई शरणार्थियों ने इस खबर पर निराशा जतायी है क्योंकि वे अभी नौकरी तथा महंगाई से संघर्ष कर रहे हैं। अम्मान में एक सीरियाई शरणार्थी खदीजा महमूद ने कहा, ''इस फैसले ने हमारी जिंदगियां बर्बाद कर दी है। हम अपार्टमेंट का किराया, बिजली का बिल, पानी का बिल कैसे चुकाएंगे? हमारी इतनी क्षमता नहीं है।'' दरअसल, रूस ने 'काला सागर खाद्यान्न समझौते' से कदम पीछे खींच लिए है। यह समझौता खाद्यान्न संकट से निपटने के लिए यूक्रेन से अनाज का सुरक्षित निर्यात सुनिश्चित कर रहा था।

शहबाज शरीफ ने भारत को दिया वार्ता का प्रस्ताव तो गुस्सायी हिना रब्बानी खार ने ढुढ्ढसढ्डु को बता दिया पश्चिम का डार्लिंग

पाकिस्तान का आटा गीला हुआ तो उसे एक बार फिर भारत से बातचीत की याद आ गयी है। पाकिस्तान देख रहा है कि पड़ोसियों पर क्या दुनिया के किसी भी देश में जब-जब संकट आया तो भारत ने आगे बढ़कर मदद की। यही नहीं, मालदीव और श्रीलंका तो पूरी तरह भारत की वजह से ही आर्थिक संकट से उबर पाये। इसके अलावा भारत बांग्लादेश, नेपाल और भूटान की भी काफी मदद कर रहा है। जबकि पाकिस्तान अपने सबसे खराब आर्थिक हालात से गुजर रहा है तो दुनिया में कोई देश उसकी मदद नहीं कर रहा। चीन और खाड़ी के कुछ देश मदद के लिए आगे आये भी हैं तो वह इसके लिए बड़ी कीमत वसूल रहे हैं। चीन पाकिस्तान के संसाधनों की रजिस्ट्री अपने नाम करवा रहा है तो खाड़ी के देश भी पाकिस्तान से उसके पोर्ट इत्यादि लीज पर लेकर उसे पैसा दे रहे हैं। अब जब पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का कार्यकाल खत्म होने वाला है तो उन्होंने एक बार फिर सभी गंभीर और लंबित मुद्दों के समाधान के लिए भारत के साथ बातचीत करने की पेशकश की और कहा है कि दोनों देशों के लिए ''युद्ध कोई विकल्प नहीं है'' क्योंकि दोनों देश गरीबी और बेरोजगारी से लड़ रहे हैं।

शहबाज शरीफ की टिप्पणियां सीमा पार आतंकवाद को इस्लामाबाद के निरंतर समर्थन और कश्मीर सहित कई मुद्दों पर भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों में जारी तनाव के बीच आई है। साथ ही यह टिप्पणी ऐसे समय भी आई है जब 12 अगस्त को संसद का पांच साल का कार्यकाल पूरा हो रहा है और उनकी गठबंधन सरकार चुनाव में जाने की तैयारी कर रही है। लेकिन सवाल उठता है कि क्या पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और उनके मंत्रिमंडल के सदस्य भारत के प्रति पाकिस्तान की नीति को लेकर पूरी तरह स्पष्ट हैं? यह सवाल हम इसलिए कर रहे हैं क्योंकि एक ओर प्रधानमंत्री भारत के साथ वार्ता की अपील कर रहे हैं तो दूसरी ओर उनकी विदेश राज्य मंत्री भारत पर कटाक्ष कर रही हैं। जहां तक शहबाज शरीफ के बयान की बात है तो आपको बता दें कि उन्होंने पाकिस्तान और भारत के बीच युद्ध के इतिहास के बारे में बात की। उनकी राय में युद्ध के परिणामस्वरूप गरीबी, बेरोजगारी और लोगों की शिक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण के लिए संसाधनों की कमी हुई। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक अनसुलझे मुद्दों का समाधान कर ''असामान्यताओं'' को दूर नहीं किया जाता तब तक संबंध सामान्य नहीं होंगे।

दूसरी ओर, पाकिस्तान की उप विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार के बयान की बात करें तो उन्होंने भारत और पश्चिमी देशों के गहराते संबंधों पर कटाक्ष करते हुए कहा है कि भारत पश्चिमी देशों का डार्लिंग है। हिना रब्बानी खार ने इस्लामाबाद में पाकिस्तान गवर्नेंस फोरम 2023 को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। अपने संबोधन के दौरान जब वह अपने सभी पड़ोसियों के साथ पाकिस्तान के संबंधों का वर्णन कर रही थीं, तो उन्होंने भारत को 'पश्चिम का डार्लिंग' कहा। इसके अलावा, खार ने भारत पर 'क्षेत्र के कुछ देशों के साथ ही घनिष्ठता रखने' का आरोप भी लगाया। हिना रब्बानी खार ने कहा कि 'भारत ने पश्चिम का प्रिय बनने का निर्णय लिया है, लेकिन साथ ही, इस क्षेत्र के भीतर बहुत आक्रामक होने का निर्णय लिया है। हिना रब्बानी खार ने कहा कि भारत एक ऐसे देश के रूप में खड़ा है जो कुछ देशों के प्रति बहुत खुला है, लेकिन इस क्षेत्र में सबके करीब नहीं है। देखा जाये तो हिना रब्बानी खार का यह बयान 'अंगूर खट्टे हैं' वाली कहावत को चरितार्थ करता है। पाकिस्तान को पश्चिम तो क्या दुनिया का कोई देश भाव नहीं देता है जबकि भारत आज दुनिया में नेतृत्वकर्ता की भूमिका में आ गया है। जाहिर है यह बात पाकिस्तान को पचेगी नहीं इसलिए वह डार्लिंग जैसे शब्दों का उपयोग कर रहा है।

डेलवारे में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन साइकिल की सैर करते हुए।

रूसी ड्रोन ने यूक्रेन के ओडेसा इलाके में ड्रोन से हमला किया, बंदरगाह पर लगी आग

कीव। रूसी सैनिकों ने यूक्रेन के ओडेसा क्षेत्र स्थित बंदरगाह को बीती रात अपने शाहिद ड्रोन से निशाना बनाया। यूक्रेन की सेना ने यह जानकारी दी। यूक्रेन की सेना के मुताबिक रूस के ड्रोन हमले से अनाज को ढोने के लिए लगा एलिवेटर क्षतिग्रस्त हो गया और वहां के ढांचे में आग लग गई जो देश से अनाज निर्यात के लिए अहम था। यूक्रेन से ओडेसा बंदरगाह के रास्ते विश्व बाजार में अनाज के निर्यात की अनुमति दिए जाने के बाद से रूस इस शहर को अपना निशाना बना रहा है। जानकारी के मुताबिक 17 जुलाई से अब तक रूसी बलों ने ओडेसा बंदरगाह और वैकल्पिक मार्ग के तौर पर इस्तेमाल किए जा रहे क्षेत्र के नदी पत्तनों पर दर्जनों बार ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया है। यूक्रेनियाई सेना के दक्षिणी कमान ने फेसबुक पोस्ट में बताया, ''दुश्मन का स्पष्ट निशाना क्षेत्र के बंदरगाह और औद्योगिक अवसंरचनाएं है।'' उसने बताया कि हमले की वजह से औद्योगिक क्षेत्र और बंदरगाह की इमारतों में आग लग गई और अनाज को ढोने के लिए लगा एलिवेटर क्षतिग्रस्त हो गया। यूक्रेनियाई सेना द्वारा बुधवार सुबह दी गई जानकारी के मुताबिक उसकी वायुसेना ने गत रात में 23 शाहिद ड्रोन को मार गिराया जो अधिकतर ओडेसा और कीव में हमले के लिए भेजे गए थे। कीव नगर प्रशासन के प्रमुख सेरही पोपको ने बताया कि कीव में भेजे गए सभी 10 ड्रोन नाकाम कर दिए गए। उन्होंने बताया कि गत रात धमाकों की कई आवाजें सुनाई दी क्योंकि वायु रक्षा प्रणाली सक्रिय थी। पोपको के मुताबिक मार गिराए गए ड्रोन का मलबा राजधानी के तीन जिलों में गिरा जिससे गैर रिहायशी इमारत को नुकसान पहुंचा। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बुधवार सुबह अपने टेलीग्राम संदेश में कहा, ''रूसी आतंकवादियों ने एक बार फिर बंदरगाह, अनाज संग्रहण सुविधा और वैश्विक खाद्य सुरक्षा को निशाना बनाया। दुनिया को इसका जवाब देना चाहिए।

पाकिस्तान में चुनाव टलने की अटकलें हुई तेज, डिजिटल जनगणना बताई वजह

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में आम चुनाव टलने के आसार दिखाई दे रहे हैं, इसकी वजह डिजिटल जनगणना को बताया जा रहा है। पीएम शहबाज की मानें तो अभी डिजिटल जनगणना हो रही है, इसके बाद ही चुनाव होंगे। इस तरह से चुनाव एक साल पीछे जा सकते हैं। हालांकि सरकार 90 दिनों के भीतर चुनाव कराने के लिए एक अंतरिम व्यवस्था लाने की तैयारी कर रही है, लेकिन इस बीच प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने चुनाव में देरी का संकेत दिया है, जिससे उनके गठबंधन सहयोगियों के बीच दरार पैदा हो गई है। विभिन्न सोशल मीडिया पोस्ट में शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी और उसके प्रमुख गठबंधन सहयोगी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के बीच बातचीत और बंद दरवाजे के भीतर परामर्श की कमी को उजागर कर रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा है कि चुनाव केवल 2023 की डिजिटल जनगणना के आधार पर होंगे, जो आठ महीने से एक साल के बीच की देरी की ओर इशारा करता है। एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि हमें नई जनगणना के आधार पर चुनाव कराने होंगे। जब जनगणना हो जाएगी, तो

उसके आधार पर चुनाव होने चाहिए, जब तक कि कोई ऐसी बाधा न हो जिसे दूर न किया जा सके। लेकिन मुझे ऐसी कोई बाधा नजर नहीं आती।

पाक पीएम शरीफ की टिप्पणियों ने व्यापक बहस छेड़ दी है। क्योंकि पीपीपी ने स्पष्ट कर दिया है कि वह ऐसे किसी भी फैसले का समर्थन नहीं करेगी जिसके परिणामस्वरूप चुनाव में देरी हो। पीपीपी के वरिष्ठ नेता नवाज मुहम्मद यूसुफ तालपुर ने कहा कि पार्टी ने पहले ही इस विषय पर एक रुख अपना लिया है। नए परिसीमन से आम चुनाव कराने में देरी होगी और इस कारण से पार्टी ने इसका विरोध किया है। पीपीपी सूचना सचिव फैसल करीम कुंडी ने कहा कि सैद्धांतिक रूप से नए सिरे से परिसीमन के लिए चार महीने की आवश्यकता होगी, लेकिन वास्तव में, इसमें आठ महीने या एक साल तक का समय लग सकता है। इस बीच, मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट-पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) ने भी पुरानी जनगणना के आधार पर चुनाव कराने के फैसले का विरोध किया है।

इस मामले में एमक्यूएम-पी के वरिष्ठ नेता मुस्तफा कमाल ने कहा कि हम पहले ही इस मामले को प्रधानमंत्री के समक्ष उठा चुके हैं। हमारा मानना है कि चुनाव केवल नए परिसीमन के अनुसार होने चाहिए, जो डिजिटल जनगणना के बाद ही संभव है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार पुरानी जनगणना के अनुसार चुनाव कराती है, तो इससे लाखों लोग मतदान के अधिकार से वंचित हो जाएंगे। राजनीतिक नेताओं द्वारा सार्वजनिक मंचों और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर खुले बयान गठबंधन दलों के बीच अलगाव और संचार की कमी को उजागर करते हैं।

इटली ने खोली चीन के बीआरआई की पोल, करोड़ों के प्रोजेक्ट पर फिरा पानी

वाशिंगटन (एजेंसी)। इटली ने चीन के बीआरआई प्रोजेक्ट की पोल खोलकर रख दी है। इससे एक ओर जहां अमेरिका की टक्कर में चीन ने खुद को खड़ा करने की कोशिश की थी, वहीं बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव यानी बीआरआई के जरिए दुनिया के कई देशों में करोड़ों डॉलर के प्रोजेक्ट पर पानी फिर गया है। बता दें कि पाकिस्तान में शुरू हुए बीआरआई के प्रोजेक्ट सीपीईसी के दस साल पूरे हो गए हैं। दोनों मुल्क इसका जश्न भी मना रहे हैं। लेकिन इसी जश्न में इटली ने पलीता लगा दिया है और चीन के बीआरआई की हकीकत सामने ला दी है। गौर करने वाली बात ये है कि इटली यूरोप का एकलौता देश है जो चीन के इस प्रोजेक्ट में शामिल हुआ था। इटली के रक्षा मंत्री गोइडो क्रोसेटो ने एक इंटरव्यू में कहा है कि चीन के इस फैसले में शामिल होना तबाह करने वाला फैसला था। उन्होंने कहा कि ये फैसला जल्दबाजी में ले लिया गया था।

इटली के डिफेंस मिनिस्टर ने ऐसा कहने की वजह भी बताई। उन्होंने कहा कि इस फैसले से चीन को तो फायदा मिला और उनका निर्यात हमारे यहां काफई बढ़ गया। लेकिन मुझे एक्सपोर्ट का फायदा नहीं मिल सका। इटली के नेता ने एक इंटरव्यू में कहा कि नए सिल्क रोड में शामिल होने का फैसला जल्दबाजी में लिया गया। ये तबाह करने वाला कदम था। उनका ये बयान चीन से उलट है। गौरतलब है कि पिछले दिनों चीन ने कहा था कि बीआरआई से दोनों देशों को लाभ हो रहा है। दरअसल, इटली अब चीन के इस प्रोजेक्ट से बाहर होना चाहता है। हालांकि पाकिस्तान और चीन ने महत्वाकांक्षी चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) परियोजना के तहत सहयोग बढ़ाने और काम में तेजी लाने के लिए छह महत्वपूर्ण दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और चीन के उप प्रधानमंत्री ही लीफंग सीपीईसी के 10 साल पूरे होने पर आयोजित हस्ताक्षर समारोह के दौरान मौजूद थे। बता दें कि सीपीईसी परियोजना पाकिस्तान के बलूचिस्तान में ग्वादर बंदरगाह को चीन के शिंजियांग प्रांत को जोड़ती है। यह चीन की अरबों डॉलर की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड पहल (बीआरआई) की प्रमुख परियोजना है। हालांकि भारत सीपीईसी को लेकर चीन के समक्ष पहले ही विरोध जता चुका है क्योंकि यह परियोजना पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से होकर गुजरती है। शरीफ ने इस मौके पर कहा कि हस्ताक्षरित दस्तावेजों का उद्देश्य पाकिस्तान और चीन के बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूत करना है। अब तक पाकिस्तान के बिजली और जल विद्युत क्षेत्र, सड़क बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक परिवहन में सीपीईसी के तहत 25 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का निवेश हुआ है।

बिलावल भुट्टो की तालिबान को गीदड़भभकी, अफगानिस्तान के अंदर घुसकर करेंगे कार्रवाई

इस्लामाबाद। विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने मंगलवार को संकेत दिया कि पड़ोसी देश से उत्पन्न होने वाले आतंकवादी खतरे से निपटने के लिए पाकिस्तान अंतिम उपाय के रूप में अफगानिस्तान के अंदर कार्रवाई कर सकता है। बिलावल ने विदेश मंत्री के परिवर्तन प्रबंधन सुधारों के तहत डिजिटलीकृत प्रणाली के शुभारंभ पर एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि हम अपनी रक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत कार्य करेंगे। यदि अफगान अधिकारी कार्रवाई नहीं करते हैं, तो अंदर कार्रवाई विकल्पों में से एक हो सकती है, लेकिन पहला विकल्प नहीं है। हालांकि, विदेश मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान का मानना ??है कि अफगान अंतरिम सरकार उनके देश को धमकी देने वाले आतंकवादी समूहों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। अगर क्षमता का कोई मुद्दा है तो हम उनकी (अफगानिस्तान तालिबान की) मदद करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि 'अगर इरादे का कोई मुद्दा है तो यह एक अलग मामला है। उनका यह बयान हाल के महीनों में पाकिस्तान में आतंकवादी हमलों में वृद्धि की पृष्ठभूमि में आया है। बाजौर आतंकवादी हमला नवीनतम था जिसमें बड़ी संख्या में लोग मारे गए थे। पाकिस्तान ने आतंकवादी हमलों में वृद्धि के लिए सीमा पार आतंकवादी पनाहगाहों को जिम्मेदार ठहराया है। इस्लामाबाद बार-बार कहता रहा है कि प्रतिबंधित टीटीपी और उसके सहयोगी अफगानिस्तान से बेखौफ होकर काम कर रहे हैं।

वैंकूवर वाणिज्य दूतावास पर लगाया गया भारत विरोधी पोस्टर, भारत ने जताई आपत्ति

मास्को (एजेंसी)। भारत ने कनाडा के अधिकारियों से एक सुरक्षा चूक की शिकायत की है जिसके कारण मंगलवार को वैंकूवर में उसके वाणिज्य दूतावास की इमारत पर भारत विरोधी पोस्टर लगा दिया गया। यह पोस्टर उन पोस्टरों के समान था जो इस सप्ताह की शुरुआत में मेट्रो वैंकूवर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर दिखाई दिए थे, खासकर सरे शहर में। इन पोस्टरों में कनाडा में भारत के सबसे वरिष्ठ राजनयिकों ओटावा में इसके उच्चायुक्त और वैंकूवर और टोरंटो में महावाणिज्य दूत की तस्वीरों और नामों के नीचे 'वांटेड' शब्द का उपयोग किया गया है। मंगलवार सुबह पता चलने के बाद वाणिज्य दूतावास वाली इमारत के प्रवेश द्वार के पास लगे पोस्टर को हटा दिया गया। ऐसा प्रतीत होता है कि इसे तड़के वहां लगाया गया था। एक वरिष्ठ भारतीय अधिकारी ने कहा कि वाणिज्य दूतावास ने उपचारात्मक कार्रवाई के लिए स्थानीय संपर्क बिंदुओं के साथ मामला उठाया था। जबकि रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस या आरसीएमपी राजनयिक सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है। अलगाववादी समूह द्वारा 15 अगस्त को भारतीय मिशनों को घेरने की पहले से दी गई चेतावनी और इसी तरह के पोस्टर पहले से ही क्षेत्र में दिखने के बावजूद यह चूक हुई। पहले 'किल इंडिया' पोस्टरों की तरह, वाणिज्य दूतावास में लगाए गए पोस्टरों के वीडियो सोमवार को सोशल मीडिया पर प्रसारित किए गए थे, और इसे पाकिस्तान-आधारित या पाकिस्तान-समर्थक हैंडल द्वारा प्रचारित किया गया था। इसी तरह के कई पोस्टर पिछले महीने ग्रेटर टोरंटो एरिया (जीटीए) में विभिन्न स्थानों पर दिखाई दिए थे, एसएफजे द्वारा 16 जुलाई को क्षेत्र के एक गुरुद्वारे में तथाकथित खालिस्तान जनमत संग्रह का नवीनतम दौर आयोजित करने से पहले।

सालभर के भीतर पाकिस्तान में हुए 18 आत्मघाती हमले, 200 की मौत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पड़ोसी देश पाकिस्तान में इस साल 18 आत्मघाती हमले हुए, इनमें 200 लोगों के मरने की पुष्टि की गई है। पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज (पीआईसीएसएस) द्वारा जारी की गई एक नई रिपोर्ट से पता चला है कि देश में इस साल अब तक 18 आत्मघाती हमले हुए हैं, जिनमें कम से कम 200 लोगों की मौत हुई है और 450 से अधिक लोग घायल हुए हैं। जबकि पिछले साल पाकिस्तान में 15 आत्मघाती हमले हुए थे। आत्मघाती हमलों की नवीनतम बढ़ोतरी ने पहले ही 2022 की तुलना में आत्मघाती हमलों की कुल संख्या को पार कर लिया है। पीआईसीएसएस रिपोर्ट में कहा गया है कि सबसे गंभीर रूप से प्रभावित क्षेत्र खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत के आदिवासी जिले रहे हैं, जहां 2023 में आधे आत्मघाती हमले हुए। यहां हुए 9 हमलों में लगभग 60 लोगों की जान चली गई, जबकि 150 से अधिक लोग घायल हो गए। गौरतलब है ?कि रविवार को केपी के बाजौर जिले में जमीयत उलेमा इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) कार्यकर्ता सम्मेलन में आत्मघाती हमले में 20 से ज्यादा नाबालिगों सहित 54 लोग मारे गए।

इस रिपोर्ट में कहा गया कि खैबर पख्तूनख्वा को तबाही झेलनी पड़ी, चार आत्मघाती हमलों में 110 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई और 245 घायल हो गए। उस समय, पेशावर पुलिस लाइन पर हमला देश में सबसे घातक हमला था, जिसमें 100 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। रिपोर्ट में बताया कि बलूचिस्तान दूसरा सबसे अधिक प्रभावित प्रांत है, जहां कम से कम चार आत्मघाती हमलों में 14 लोगों की जान चली गई, जबकि 27 अन्य घायल हो गए। उधर सिंध ने एक आत्मघाती हमले की सूचना दी, जिसमें पांच लोग मारे गए और 18 अन्य घायल हो गए। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) आतंकवादी संगठन ने इनमें से अधिकतर हमलों की जिम्मेदारी ली है।

चीन में बाढ़ से मची तबाही, अब तक 20 लोगों की मौत, 27 की तलाश जारी

बीजिंग (एजेंसी)। इन दिनों चीन में बाढ़ ने भयंकर कहर मचा रखा है। राजधानी बीजिंग में तो हालात बेहद खराब हो गए हैं। राजधानी और उसके आसपास के इलाकों में मूसलाधार बारिश से अब तक 20 लोगों की मौत हो गई और 27 लोग लापता हो गए हैं। हालांकि सरकार ने मंगलवार को बताया कि बाढ़ से सड़कें नष्ट हो गई, पेड़ उखड़ गए और बिजली गुल हो गई। बताया जाता है कि बीजिंग में आमतौर पर गर्मियां शुष्क होती हैं, लेकिन इस साल रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ी। अन्य क्षेत्रों, विशेष रूप से चीन के दक्षिण में भी गर्मियों में असामान्य रूप से भीषण बाढ़ का सामना करना पड़ा है। जिससे कई मौतें हुईं। वहीं देश के अन्य हिस्से सूखे से जूझ रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार बीजिंग के पश्चिमी छोर पर मेंटौगो जिले में सड़कों पर पानी का बहाव इतना तेज था कि उसमें कारें बह गईं। एक निवासी लियू शुआनवाओ ने कहा कि सड़क पर खड़ी कारें तैर गईं और बह गईं। उसके अपार्टमेंट के पीछे खड़ी कुछ कारें केवल एक मिनट में ही गायब हो गईं।

राहत कार्य भी चलाया जा रहा है। यहां आपातकालीन कर्मचारियों ने सड़कों को साफ करने के लिए बुलडोजर का इस्तेमाल किया, जबकि निवासी कीचड़ से गुजर रहे थे। मेंटौगो के एक अन्य निवासी यू चांगपो ने कहा कि न तो अधिकारियों और न ही आम लोगों को उम्मीद थी कि इतनी भारी बारिश होगी। कई जगहों पर भूस्खलन हुए और गांवों में बाढ़ आ गई। जानकारी के अनुसार वहां ग्यारह लोगों की मौत की सूचना मिली है और अधिकारी 27 लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं। वहीं राजधानी के पास के हेबेई प्रांत में नौ मौतें हुई हैं। राजधानी के फांगशान जिले में लगभग 60,000 घरों की बिजली गुल हो गई। बीजिंग के दक्षिण-पश्चिम में जुओझोउ में, उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों से लगभग 125,000 लोगों को आश्रयों में ले जाया गया। बाढ़ की गंभीर स्थिति को देखते हुए राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने स्थानीय सरकारों को फंसे हुए लोगों को बचाने और जीवन और संपत्ति की क्षति को कम करने के लिए पूरी कोशिश करने का आदेश जारी किया है।

CMYK

नेत्र परीक्षण साथ ही चश्मा वितरण कर विधायक करेंगे अपना प्रचार,क्या भ्रष्टाचार के आरोपों से बचने निकाला नया तरकीब ?

विकास और विश्वास की बातें जब क्षेत्र में दिखीं नाकाफी,नेत्र शिविर का बनाया विचार,अब जनता से निःशुल्क नेत्र शिविर में करेंगे विधायक मुलाकात

» मनेंद्रगढ़ विधायक का चुनाव से पहले नया दांव,क्षेत्र के मतदाताओं को रिझाने निशुल्क नेत्र शिविर का कर रहे आयोजन।

» नेत्र शिविर के प्रचार की भी जिम्मेदारी शासकीय कर्मचारियों को,कहीं शिक्षक कर रहें हैं प्रचार,तो कहीं निगम के वाहनों से हो रहा प्रचार।

» निगम के वाहन से प्रचार को नगर के युवा व्यवसाई ने बताया गलत,कहा जब आयोजन निजी तो प्रचार में निगम के वाहन और कर्मी क्यों हैं संलिप्त।

-रवि सिंह-

एमसीबी 02 अगस्त 2023 (घटती-घटना)। मनेंद्रगढ़ विधायक अब विकास और विश्वास की बातें छोड़कर पूरी तरह चुनावी तैयारी में नजर आ रहें हैं और अब जब उन्हें एहसास हो चुका है की विपक्ष के आरोप और क्षेत्र में जारी उनकी भ्रष्टाचार के प्रति अवैध कारोबार के प्रति मौन समर्थन से जनता अवगत हो चुकी है और अब जनता विकास और विश्वास की बात पर भरोसा नहीं करने वाली वह अब नेत्र परीक्षण सह चश्मा वितरण कार्यक्रम के माध्यम से लोगों के बीच जाना चाहते हैं, जिसका प्रचार भी वह शासकीय कर्मचारियों और वाहनों से ही करा रहें हैं क्योंकि उनके समर्थक और उनके खास सिपहसालार फिलहाल जल्द से जल्द अपने अधूरे काम निपटाने में लगे हैं, जिससे चुनाव का परिणाम जो हो टिकट जिसे मिले वह तब तक उनका स्वार्थ सिद्ध हो चुका होगा। मनेंद्रगढ़ विधायक के नेत्र शिविर के प्रचार का जिम्मा शासकीय शिक्षक और नगर निगम के कर्मचारियों ने सम्हाल रखा है और निगम की गाड़ियां भी इसी काम में फिलहाल लगी हुई हैं।

क्या पूर्ण आभास हो गया की उनकी जीत विकास के विश्वास के सहारे तय नहीं

विधायक पेशे से चिकित्सक हैं और उन्हे जब इस बात का पूर्ण आभास हो गया की उनकी जीत विकास विश्वास के सहारे तय नहीं होने वाली वह नेत्र शिविर का सहारा लेने जा रहें हैं और अब उसी सहारे क्षेत्र के लोगों को निशुल्क जांच और चश्मे के झांसे में लेकर वह अपनी चुनावी नैया पार लगाएंगे यह लोगों का मानना है। मनेंद्रगढ़ विधायक का नेत्र शिविर का यह आयोजन विगत चार सालों में शायद ही देखा गया हो यह भी लोगों का कहना है और इस तरह का आयोजन ऐन चुनाव के कुछ समय पूर्व किए जाने को लेकर लोग यही कहते सुने जा रहें हैं की यह पुनः सत्ता की कुर्सी की चाहत में आयोजित नेत्र शिविर है और इसमें क्षेत्र के लोगों को फिर से विश्वास में लेने की कोशिश विधायक करते देखे जायेंगे जो विश्वास फिलहाल वह खो चुके हैं।

अपार विश्वास की क्या जनता को मिला धोखा ?

मनेंद्रगढ़ विधायक विधानसभा में दो बड़ी जिम्मेदारियों के साथ जन सेवक बतौर जनता की पसंद बनकर उभरे थे पहले क्षेत्र की जनता ने उन्हें विधायक बनाया और बाद में उनकी ही धर्मपत्नी को निगम में महापौर बनाकर शहर की भी जिम्मेदारी उन्हे प्रदान की जो जनता की तरफ से उनके प्रति अपार विश्वास का उदाहरण था, चिरमिरी से पलायन रोकना, चिरमिरी को स्थिर भविष्य प्रदान करना लोगों से उनके प्रति उम्मीद थी,वहीं विधायक के दोनो जिम्मेदारियों के प्रति गुजरे वर्ष चिरमिरी के लिए बेहतर साबित नहीं हुए यह भी निगम क्षेत्र के लोगों का मानना है। चिरमिरी में विकास के नाम पर निर्माण जरूर हुआ लेकिन स्थिर और स्थाई चिरमिरी की कल्पना विधायक और उनकी महापौर पत्नी मिलकर साकार नहीं कर सके यह लोगों का कहना है।

विधायक द्वारा आयोजित निजी आयोजन फिर उसमे शासकीय वाहन का प्रचार में उपयोग क्यों ?

चिरमिरी में अवैध कारोबार और भ्रष्टाचार की बारात निकालकर विपक्ष ने विधायक को जब घेरा विधायक उसका माकूल जवाब भी नहीं दे पाए यह भी जनता का मानना है और जनता का मानना है की वह आरोपों से घिर गए और विकास विश्वास का मामला धराशाई हो गया इसलिए नेत्र शिविर के माध्यम से विधायक अब जनता के बीच जाना चाहते हैं और पुनः विश्वास जमाना चाहते हैं। वहीं नेत्र शिविर का प्रचार निगम वाहनों से किए जाने को लेकर भी विधायक पर आरोप लगा है और युवा व्यवसाई चंदन गुप्ता ने आरोप लगाया है की डॉक्टर के नाते विधायक का नेत्र शिविर आयोजित किया जाना गलत नहीं है लेकिन उसके लिए निगम का वाहन प्रचार में लगाना गलत है। विधायक द्वारा आयोजित नेत्र शिविर उनका निजी आयोजन है और उसमे शासकीय वाहन का प्रचार के लिए उपयोग गलत है।

जुआ खेलते पांच आरोपी चढ़े मनेंद्रगढ़ पुलिस के हत्थे,थाने ने जारी किया प्रेस विज्ञप्ति पर फोटो लेने के लिए स्टाफ की बताई कमी

जुआ खेलते एक पत्रकार व प्रेस क्लब के सदस्य भी चढ़ा पुलिस के हत्थे,मामले को दबाने के लिए होती रही जोर आजमाइश

» एमसीबी प्रेस क्लब का एक सदस्य सहित पांच जुआड़ी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

-संवाददाता-

मनेन्द्रगढ़ 02 अगस्त 2023 (घटती-घटना)। जुआ को हमारे समाज में सामाजिक बुराई के तौर पर देखा जाता है, जिस वजह से जुआ खेलने वाले पर कानूनी कार्यवाही भी की जाती है, पर सबसे बड़ा सवाल यह है कि कार्यवाहीयों के बावजूद सभी इस बात को जानते हैं कि यह सामाजिक बुराई है इसके बावजूद समाज को सुधारने का ठेका लेने वाले नेता, प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी व पत्रकार खुद इस सामाजिक बुराइयों में घिरे हुए हैं, खेलते हुए पकड़े जाते हैं अपराध भी इन पर पंजीबद्ध होता है, ऐसे में सवाल यह उठता है कि आखिर जब समाज को सुधारने वाले लोग ही समाजिक बुराइयों को अपनाए हुए हैं तो बाकीओ से क्या उम्मीद की जा सकती है।

ऐसा ही मामला एक बार फिर मनेंद्रगढ़ थाने में सामने आया है जब पुलिस ने जुआ खेलते पांच लोगों को गिरफ्तार किया, जिसमें एक पत्रकार जो एमसीबी जिले के प्रेस क्लब का सदस्य भी है, वह भी इस जुआ में खेलते पकड़े गए, जिसके बाद पुलिस

ने प्रेस विज्ञप्ति कर जानकारी तो पत्रकारों को दे दी जुआ में पकड़े गए आरोपियों की जानकारी पर फोटो उन्होंने पत्रकारों को आरोपियों का मुहैया नहीं कराया, कहा कि कर्मचारियों की कमी की वजह से वह फोटो नहीं ले पाए, अप पुलिस का यह बात सोचने वाली तो है कि उनके पास एक फोटो खींचने के लिए कर्मचारी नहीं थे? क्या ऐसा भी हो सकता है? वहीं सूत्रों का यह भी मानना है कि इस मामले को दबाने के लिए तमाम तरीके से प्रयास किया गया पर मामला सभी के संज्ञान में आने की वजह से पुलिस को भी कार्यवाही करनी पड़ी क्योंकि पुलिस अपनी फजीहत नहीं कराना चाहती थी।

मिली जानकारी के अनुसार सिटी कोतवाली मनेद्रगढ़ थाना प्रभारी अमित कश्यप ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया की पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निमेश बरैया एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी राकेश कुमार कुर्रे द्वारा लगातार जुआ, सट्टा, अवैध शराव, मादक पदार्थ पर कार्यवाही करने के लिये निर्देशित किया गया था, इसी तारतम्य में दिनांक 01.08.2023 के रात्रि 02.00 बजे मुखवीर से सूचना मिला कि खेडिया टाकीज के पीछे व्यक्ति 52 पत्ती के ताश से रूपये पैसा का दांव लगाकर हार-जीत का जुआ खेल रहे है कि सूचना से तत्काल सिटी कोतवाली मनेन्द्रगढ टीम द्वारा हमराह स्टाफ के खेडिया टाकीज के पीछे जाकर घेराबंदी कर रेड कार्यवाही किया गया। आरोपियो के पास नगदी रकम 11,800 रूपये, 52 पत्ती ताश की गड्डी एवं पुराना अखबार पेपर मिला।

सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार अस्फाक अहमद पिता मुस्ताक अहमद उम्र 28 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 12 मनेन्द्रगढ़ यह प्रेस क्लब का एक सदस्य पत्रकार जो जनहित में कार्य करते हैं जुआ खेलते हुए पुलिस ने पकड़ा। अबुल फैज निवासी वार्ड नंबर 12 मनेन्द्रगढ़, एनुल हक निवासी वार्ड नंबर 12 मनेन्द्रगढ़, इमरान अहमद निवासी वार्ड नंबर 05 मनेन्द्रगढ़,जिया उल निवासी वार्ड नंबर 21 मनेन्द्रगढ़, आरोपियों के विरूद्ध छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3 की कार्यवाही कर गिरफ्तार किया गया। सम्पूर्ण कार्यवाही में निरीक्षक अमित कश्यप थाना प्रभारी, सउनि राकेश शर्मा आरक्षक सोनल पाण्डेय, आरक्षक विरेन्द्र गुप्ता, आरक्षक हरेन्द्र कुशवाहा, का सराहनीय योगदान रहा।

कोरिया यातायात पुलिस ने 7 महीने में 4500 वाहनों पर की चलानी कार्यवाही

» वसूले 15 लाख का संमन शुल्क

बैकुण्ठपुर 02 अगस्त 2023 (घटती-घटना)। पुलिस अधीक्षक कोरिया त्रिलोक बंसल के निर्देशानुसार व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोनिका ठाकुर, उप पुलिस अधीक्षक कविता ठाकुर व श्याम मधुकर के कुशल मार्गदर्शन में यातायात पुलिस कोरिया द्वारा यातायात प्रभारी निरीक्षक शिव प्रताप सिंह के नेतृत्व मे वर्ष 2023 में विगत 07 माह मे मोटरायान अधिनियम के तहत विविध धाराओं में चालानी कार्यवाही करते हुए 4500 प्रकरणों में 15 लाख अपने संमन शुल्क वसूल किया है।

गौरतलब है कि उक्त चालानी कार्यवाही निरंतर जारी है। जिसके तहत भारी वाहन चालक विषेस कर बस, टक चालकों का नशे की हालत में वाहन चालन करने की जॉच सभी प्रकार के वाहनों के कागजात की जाँच व तेज व खतनाक ढंग से वाहन चालन करने वालो पर कार्यवाही के साथ ही दुपहिया मे तीन सवारी व हेलमेंट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

कार्यवाही के दौरान यातायात के नियमों से आम जनता को जागरूक व अवगत कराया जा रहा है। खास कर स्कूली छात्रों की सुरक्षा की दृष्टि से दुपहिया वाहन में तेज रफतार से चलने वाले बाइकर्स व मनचलों व बुलट वाहन में अमानक साईलेसर लगाकर चलाने वालो पर सक्त कार्यवाही की जा रही है। साथ ही ऐसे चालको को भविष्य मे गलती न दुहराने की हिदायत दी जा रही है परिवाहन व पुलिस विभाग के सयुक्त तत्वाधान में स्कूली बसों की जाच कार्यवाही की गई व चालकों निर्धारित नियमों का पालन करने की हिदायत दी गयी।

कोरिया पुलिस आम जनता से अपील करती है कि वाहन चालक अपने वाहन के कागजात हमेंशा वैध रखें तेज व लापरवाही पूर्वक वाहन चालन न करें मोटर सायकल चालक व पिछे सवार हेलमेट व चारपहिया वाले सीट बेल्ट अनिवार्य रूप से लगाए वाहन में निर्धारित मापदंड में आगे व पिछे नंबर अनिवार्य रूप से अंकित करावें व यातायात नियमों का पालन कर स्वंय को व दूसरों को सुरक्षित रखें जिससे कि सडक दुर्घटना से बचा जा सके।

दो सावन वाले साल में एक सावन बीतने के बाद हुई बारिश से किसानों के चेहरे पर लौटी खुशी,किसान खेती में हुए व्यस्त

» सावन की बारिश ने चिंतित किसानों के चेहरे पर लाई मुश्कान मुष्कान

» किसानों के लिए अच्छी फसल की उम्मीद वाली बारिश

» मंगलवार व बुधवार की बारिश ने किसानों के परेशानी को किया दूर

-विशेष संवाददाता-

बैकुण्ठपुर 02 अगस्त 2023 (घटती-घटना)। 2023 में दो सावन होने का संयोग देखने को मिला पहले सावन में पानी ना होने की वजह से किसान परेशान थे, दूसरे सावन लगते ही झमाझम बारिश ने किसानों उदास हुए चेहरे को फिर से खुशियों में बदल दिया, किसान जहां अपनी फसलों को लेकर चिंतित थे कि इस बार वह खेती में पिछड़ जाएंगे या फिर खेत परित रह जाएंगे, इस वजह से वह काफी मुश्किलों में थे, क्योंकि खेती के लिए बीज व खाद खरीद चुके थे बस उन्हें इंतजार था तो बारिश का, जो बारिश नहीं आ रही थी, पूरे सावन लोग गर्मी से हलकान थे अब जैसे ही

बारिश हुई सारे किसान खेतों में व्यस्त हो गए, जो कर्मचारी वर्ग थे वह भी छुट्टी लेकर अपने तैयार खेतों में रोपा लगाने के लिए व्यस्त दिखे, जहां बारिश से तापमान में गिरावट आई तो वही किसानों के खेतों में रोपा लगाते हुए दृश्य चारों तरफ देखने को मिले, खेतों में लबालब पानी था और उस पानी के बीच किसान रोपा लगा दिखे।

क्षेत्र में दोसरा सावन चढ़ते ही पूरा दिन बारिश रूक-रूककर लगातारहोती रही, जिससे आम लोगों सहित किसानों को राहत मिली है। किसानों के मन में जो चिंता सावन से बनी हुई थी इस बरसात से काफी हद तक कम हो गई है पर किसानों को यह चिंता जरूर सता रही है कि धान की बुआई व रोपाई के कार्य में काफी देर हो चुकी है वहीं जबसे सावन लगी है व बरसात होना शुरू हुई है तब से किसान खेतों में रोपा लगाने में जुटे हुए हैं उनके पास इस समय चाय पीने तक की फुरसत नहीं है सुबह 6 बजे से ही वे खेत में जूट जाते हैं और शाम 6 बजे तक खेतों में लगे रहते हैं किसानों ने संतुष्टि जताते हुए कह रहे हैं कि देर ही सही बारिश तो हुई।

जलाशयों का जलस्तर बढ़ा

ज्ञात हो कि कुछ दिनो से बारीश नही हो रही थी जिस वजह से खेतो में लगे धान के पौधे सुख रहे थे और खेतो में दरार आ गई थी जिससे लेकर किसान भाई काफी चिन्तीत थे और सावन के आने के इंतजार कर रहे थे और सावन के आते ही प्रथम दिन पानी गिरना षुरू हो गया जिससे किसानो द्वारा सावन में पानी गिरने कि उम्मीद पुरी हो गई किसानों के चेहरे खिल उठे अब किसान सुबह से शाम तक खेतो लगे हुए है यहां तक कि खाना भी खेतो में मागा कर खा रहे है।

जिले में बारिष न होने के कारण जलाशयों का जलस्तर काफी गिर चुका था जो सावन की लगातार बारिष होने से बढ़ा है। जिले में स्थित गेज, व झूमका दो बड़े बांध में जलस्तर घटकर 30 प्रतिशत आ गया था वह इस बारिष से बढ़कर 59 प्रतिश त हो गया है वहीं अन्य जलाषयों में भी 35 प्रतिषत पानी भर चुका है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग जशपुर

प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक-2871/ NIT-12/2023-2024/ व.ले.लि. दिनांक :27/07/2023

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 10/08/2023 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 17/08/2023 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 18/08/2023 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

एन.आई.टी.क्र. निविदा	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत लाख में,अमानत राशि (रू.में) बैंक साल्वेंसी (रू.में)
1	2	3
12 T0040	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग बगीचा के अंतर्गत पुल पुलियों का मरम्मत कार्य	20.00 15000.00 300000.00
12 T0041	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग बगीचा के अंतर्गत आवासीय भवनों एवं गैर आवासीय भवनों में रंगाई पोताई कार्य	20.00 15000.00 300000.00
12 T0042	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग बगीचा के अंतर्गत आवासीय भवनों का मरम्मत कार्य	20.00 15000.00 300000.00
12 T0043	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग बगीचा के अंतर्गत गैर आवासीय भवनों का मरम्मत कार्य	20.00 15000.00 300000.00

टीपः-
1. निविदा प्रपत्र कीमत रू. 750/- प्रति नग।
2. कार्य पूर्णता की अवधि - 31/03/2024 तक वर्षा ऋतु सहित।

निविदा संबंधी शर्ते विभागीय वेबसाईट www.co.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

जी.नं.-03814/1

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि.(भ/स) संभाग जशपुर

खड़गवां विकास खंड शिक्षा विभाग के कार्यालय में हुए संलग्नीकरण पर क्या प्रशासन कार्यवाही करेगा ?

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां,02 अगस्त 2023
(घटती घटना)

खड़गवां विकास खंड मुख्यालय के विकास खंड शिक्षा अधिकारी ने संचालनालय सेवायें छत्तीसगढ़ नवा रायपुर, छ.ग. द्वारा प्रदाय आदेश को लगता है नहीं पढा था या पढ़ने कि जरुरत ही नही समझी गई एक तरफ विकास खंड के अधिकारी स्कूलों की शत प्रतिशत मानिंटरिंग करना बताया जाता है।

अब सवाल उठता है कि जब विकास खंड के शिक्षा अधिकारीओ का शत प्रतिशत मानिंटरिंग करना बता रहे हैं तो स्कूलों में मानिंटरिंग के दौरान कर्मचारियों का नहीं रहना या अपसेंट या संलग्न होना तो अधिकारी की जानकारी मे होगा और विभिन्न शालाओं से जानकारी भी उपलब्ध कराई जा रही होगी कि कौन किस जगह पर पदस्थ हैं और वर्तमान में कि जगह पर पदस्थ रहकर कार्य कर रहा है और वेतन किसके आदेश से निकल रहा है इन सब की जानकारी होने के बाद भी विकास खंड शिक्षा अधिकारी और मानिंटरिंग करने वाले अधिकारी को इस कार्यालय में कार्य करने की जानकारी होगी।

विकास खंड शिक्षा अधिकारी ने भी तो अपने कार्यालय की जानकारी थी कि मेरे कार्यालय में कौन कर्मचारी किस संस्था का है और यहां पर संलग्न है क्या कार्यालय के पूर्व अधिकारी ने ये जानने की जरूरत नहीं समझी या मिली भगत में संलगनीकरण का खेल चल रहा था पदोन्नति के बाद भी जब दूसरे संस्था में पदस्थ प्रशासन ने कर दिया गया था उसके बाद भी पुनः इसी कार्यालय में संलग्न होना जब राज्य शासन ने संलगनीकरण पूर्णतः समाप्त कर दिया है?

जबकि राज्य शासन के आदेश भी संबंधित अधिकारी के पास होने के बाद भी पिछले 3 वर्षो से संलग्न एवं पदोन्नति के बाद भी दूसरे संस्था के कर्मचारियों को विकास खंड कार्यालय में कार्य कराया जा रहा था क्या कभी अधिकारी ने किसके आदेश से संलग्न किया गया था इसकी जानकारी लेने की कोशिश की या जरूरत नहीं समझी गई?

विकास खंड खड़गवां शिक्षा अधिकारी के कार्यालय में पूर्व से ही संलग्न कर्मचारियों को रख कर कार्य कराने की प्रथा चली आ रही है विकास खंड शिक्षा अधिकारी से सांठगांठ कर ही संलग्न किया गया होगा। विकास खंड शिक्षा अधिकारी के कार्यालय में पहले से चार लिपिक की पदस्थापना होने के बाद भी दूसरे संस्था से संलग्न कर कर्मचारियों से विकास खंड शिक्षा कार्यालय में कार्य कराया जा रहा है। जब की संलग्न कर्मचारियों को शासन के आदेश के बाद तत्काल मूल पद पर पदस्थ करने का आदेश होने के बाद भी कार्य वाही का ना करना विकास खंड शिक्षा अधिकारी पर भी सवालिया निशान खड़ा हो रहा है कि आखिर संलग्न कर्मचारियों को उनके मूल स्थान पर क्यों नहीं भेजा गया ? क्या कार्यालय में संलग्न कर रखने वाले विकास खंड शिक्षा अधिकारीओ के विरुद्ध संचालनालय के आदेश के तहत नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएंगी ?

जिले के 17 वें कलेक्टर सौरभ कुमार ने किया पदभार ग्रहण

-संवाददाता-
कोरबा,02 अगस्त 2023
(घटती घटना)

जिले के नवनियुक्त कलेक्टर श्री सौरभ कुमार ने जिला कार्यालय में अपना पदभार ग्रहण किया। कलेक्टर श्री सौरभ कोरबा जिले के 17वें कलेक्टर के रूप में नियुक्त किये गये हैं। पदभार ग्रहण के दौरान जिला स्तरीय अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर कलेक्टर श्री सौरभ कुमार का स्वागत किया। पदभार ग्रहण के पश्चात कलेक्टर श्री सौरभ कुमार ने जिले के विकास की गति को आगे बढाने के संबंध में कहा कि शासन की योजनाओं का शतप्रतिशत क्रियान्वयन उनकी प्राथमिकता होगी। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप, डीएफओ श्री अरविंद पीएम, अपर कलेक्टर श्री प्रदीप साहू, एसडीएम भी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री सौरभ कुमार 2009 बैच के आईएएस अधिकारी है। अपने अब तक के कार्यकाल के दौरान दंतेवाड़ा, रायपुर, बिलासपुर जिले के कलेक्टर रह चुके है। वे चिप्स में सीईओ के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। दंतेवाड़ा रहते हुए नवाचार के क्षेत्र में भी कलेक्टर श्री कुमार ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई थी। दंतेवाड़ा के नक्सल प्रभावित पालनार गांव को कैशलेस गांव में बदलने के लिए उन्हें प्रधानमंत्री के हाथों पुरस्कार भी प्राप्त हो चुका है।

हम सभी शासन का काम करने आए हैं, बिना रुकावट के काम का पूर्ण होना हम सब की प्राथमिकता : सौरभ कुमार

-संवाददाता-
कोरबा, 02 अगस्त 2023
(घटती घटना)

जिले के नवनियुक्त कलेक्टर श्री सौरभ कुमार ने जिला स्तरीय अधिकारियों का परिचय प्राप्त किया। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में उन्होंने सभी अधिकारियों को अपना परिचय देते हुए कहा कि हम सभी शासन द्वारा जिले में नियुक्त किए गए हैं। हम सभी अपनी जिम्मेदारी को भली भांति जानते हैं। शासन की योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन हमारी प्राथमिकता होगी। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों से कहा कि हम लोग काम करने आये हैं, इसलिए शासन का काम अटकना नहीं चाहिए। कोरबा में पदस्थ है तो यहाँ ईमानदारी से अपना काम सर उठाकर करिए। उन्होंने माननीय मंत्री, विधायक और जनप्रतिनिधियों का सम्मान करते हुए जनहित के कार्यों और आम नागरिकों की समस्याओं को दूर करने की दिशा में भी प्राथमिकता से कार्य करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सौरभ कुमार ने कहा कि आने वाले दिनों में निर्वाचन भी होना है। निर्वाचन का कार्य जिम्मेदारी और बहुत ही पारदर्शिता से जुड़ा है। कोई आपके कार्यों पर उंगली न उठाएं इसलिए इसे समय पर और बहुत ही गंभीरता से करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि शासन के जो भी कार्य प्रगति पर है उसे समय पर पूरा करना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। निविदा संबंधित प्रक्रिया समय पर हो और कार्यों में गुणवत्ता का पालन भी होना चाहिए। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को जिले के विकास के लिए टीम भावना से कार्य करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री उदय किरण, जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप, डीएफओ श्री अरविंद पीएम, निगम आयुक्त सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई, अपर कलेक्टर श्री प्रदीप साहू, दिनेश नाग, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री एम के खांडे और सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

हाईस्कूल का ताला तोड़कर चोरी करने वाले 4 विधि विरूद्ध संघर्षरत बालकों को थाना सूरजपुर पुलिस ने पकड़ा

-संवाददाता-
सूरजपुर, 02 अगस्त 2023
(घटती घटना)

स्थानीय शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सूरजपुर के प्राचार्य लेफ सिंह ने थाना सूरजपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 17-18 जुलाई के दरम्यानी रात्रि में स्कूल का ताला तोड़कर अज्ञात चोर के द्वारा बर्तन सहित अन्य सामग्री चोरी कर लिया गया है। प्राचार्य की रिपोर्ट पर अज्ञात चोर के विरूद्ध धारा 457, 380 भादसं के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

मामले की सूचना पर पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री आई कल्याण एलिसेला ने अज्ञात चोर की पतासाजी कर जल्द पकड़ने के निर्देश थाना प्रभारी सूरजपुर को दिए। मामले की विवेचना के दौरान थाना सूरजपुर पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि सुभाष चौक के पास कुछ लड़के पुराना बर्तन बेचने की फिराक में ग्राहक की तलाश कर रहे है, सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए दबिश देकर 4 विधि विरूद्ध संघर्षरत् बालकों को पकड़ा गया। पूछताछ पर चारों ने स्कूल से चोरी करना स्वीकार किया जिनके निशानदेही पर चोरी का बर्तन, पंखा व अन्य सामग्री कीमत 10 हजार रूपये का बरामद किया। मामले में चारों विधि विरूद्ध संघर्षरत् बालकों को माननीय किशोर न्यायालय में पेश किया गया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी सूरजपुर लक्ष्मण सिंह धुर्वे, प्रधान आरक्षक मोहम्मद तालिब शेख, आरक्षक लक्ष्मी नारायण मिर्रे, रामकुमार नायक व राधेश्याम साहू सक्रिय रहे।

एनटीपीसी कोरबा यूनिट ने वाणिज्यिक प्रचालन में 40 वर्ष पूर्ण होने हासिल की उपलब्धि

-संवाददाता-
कोरबा, 02 अगस्त 2023
(घटती घटना)

जिले में स्थापित एनटीपीसी कोरबा ने 01 अगस्त, 2023 को यूनिट के वाणिज्यिक प्रचालन के 40 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया ढ इस अवसर पर सी. शिवकुमार, क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक पश्चिमी क्षेत्र और यूएसएससी का स्वागत किया गया। एनटीपीसी कोरबा की यूनिट ने अपनी वाणिज्यिक प्रचालन घोषणा तिथि 01.08.1983 को चिह्नित किया ढ तब से यह लाखों लोगों के जीवन को रोशन व उज्ज्वल कर रहा है। ÷ऐसे मील के पत्थर केवल तभी हासिल किए जा सकते हैं जब सभी कर्मचारी, उनके परिवार सेवा विभाग, हर कोई अपनी कड़ी मेहनत और ऊर्जा का योगदान देता है। कला के छोटे-छोटे टुकड़े समग्र रूप से बढ़ने और समृद्ध होने में मदद करते हैं।उक्त कथन सी. शिवकुमार क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक पश्चिमी क्षेत्र-1 और यूएसएससी ने इस अवसर पर कहे। इस अवसर पर पदयात्रा, वृक्षारोपण, गेस्ट हाउस का उद्घाटन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, आदि कार्यक्रम किये गए। सम्मानित कार्यकारी निदेशक के साथ बी. रामचन्द्र राव (परियोजना प्रमुख, कोरबा), मधु एस. (महाप्रबंधक प्रचालन एंड मेंटेनेंस), अनूप कुमार मिश्रा (महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट कंस्ट्रक्शन), एस.पी. सिंह (महाप्रबन्धक फ्यूल मैनेजमेंट), सोमनाथ भट्टाचार्य (महाप्रबंधक मेंटेनेंस), मनीष वसंत साठे (महाप्रबंधक ऐश डाइक प्रबंधन), प्रभात राम (अपर महाप्रबंधक मानव संसाधन), लोकेश महिंद्रा (महाप्रबन्धक चिकित्सा) और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर एनटीपीसी कोरबा ने टाउनशिप के अंदर कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के साथ पदयात्रा कर कार्यक्रम की शुरुआत की साथ ही बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया। तत्पश्चात नए गेस्ट हाउस शबरी भवन का उद्घाटन एनटीपीसी लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक गुरदीप सिंह ने दिलीप कुमार पटेल, निदेशक (मानव संसाधन), रमेश बाबू वी, निदेशक (परियोजनाएं), उज्जवल कांति भट्टाचार्य, निदेशक (प्रचालन), जयकुमार श्रीनिवासन, निदेशक (वित्त) और शिवम श्रीवास्तव, निदेशक (फ्यूल) की उपस्थिति में किया गया तथा सी. शिवकुमार, कार्यकारी निदेशक पश्चिमी क्षेत्र, यूएसएससी और बी. रामचन्द्र राव, परियोजना प्रमुख की गरिमामय उपस्थिति में एक आभासी मंच के माध्यम से डिजिटल रूप से लाइव उद्घाटन हुआ।

एनटीपीसी कोरबा ने अब 40 वर्ष पूरे कर लिए हैं, उम्मीद की जा रही है कि उचित मेंटेनेंस और सुरक्षा आवश्यकताओं के साथ कोरबा अगले 20 वर्षों तक चमकता रहेगा।÷ उक्त कथन एनटीपीसी लिमिटेड के सीएमडी गुरदीप सिंह ने कहा। उन्होंने इस यादगार मौके पर सभी को बधाई दी और उन कर्मचारियों को विशेष धन्यवाद दिया जो शुरुआत से 40 साल की यात्रा का हिस्सा रहे। इस आंसर पर बिलासा के सहयोग और एनटीपीसी कोरबा के सीएमओ लोकेश महिंद्रा की अध्यक्षता में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में कोरबा के सीजीएम बी. रामचंद्र राव ने कहा कि ÷कोरबा सुपर थर्मल पावर स्टेशन एनटीपीसी लिमिटेड के बीच लगातार तीन वर्षों से शीर्ष प्रदर्शन कर रहा है और औद्योगिक जगत में एक कंपनी के लिए इस तरह लगातार विकास करते हुए 40 वर्ष तक खड़ा रहना अपने आप में एक बड़ी बात है।

लगातार जारी रहेगा गुम मोबाईल खोजबीन का अभियान- एसपी सूरजपुर

सूरजपुर पुलिस ने 18 लाख कीमत के गुम हुए 120 मोबाईल बरामद कर संबंधित को सौंपा

-संवाददाता-
सूरजपुर,02 अगस्त 2023
(घटती घटना)

जिले में गुम हुए मोबाइलों को खोजने के लिए सूरजपुर पुलिस की ओर से विशेष अभियान चलाया गया। बुधवार, 02 अगस्त 2023 को पुलिस अधीक्षक श्री आई कल्याण एलिसेला ने बरामद किए गए 120 मोबाइलों को संबंधित व्यक्तियों को सौंपा है। गुम हुए मोबाइलों को जैसे ही उनके मालिकों को सौंपा उनके चेहरे खिल उठे। महीनों या वर्षों पहले खोए हुए मोबाइल को पाकर सभी काफी खुश दिखे।

मोबाइल फोन गुम होने पर मोबाइल यूजर्स को होने वाला आर्थिक नुकसान और परेशानियों को ध्यान रखते हुए मोबाइल सर्विलांस में लगाकर ट्रेस कर गुम मोबाईल रिकंवर कर मोबाइल धारकों को वापस लौटाया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में गुम हुए मोबाइल को खोजने के लिए विशेष अभियान चलाया गया जिसके तहत साइबर सेल को मोबाइल गुम होने संबंधी आवेदन प्राप्त होने पर उनका तुरंत ही निराकरण करने के निर्देश दिए गए थे।

लगातार जारी रहेगा गुम मोबाईल खोजबीन का अभियान

पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री एलिसेला ने बताया कि जिले की पुलिस के द्वारा गुम हुए मोबाईल खोजने का यह अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि गुम मोबाईलों को खोजकर उनके धारकों को वापस किया गया है, मोबाईल पाकर नागरिकों में संतोष का भाव दिखा। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शोभराज अग्रवाल, साईबर सेल प्रभारी निलाम्बर मिश्रा, एएसआई देवनाथ चौधरी, आरक्षक युवराज यादव, रौशन सिंह, विनोद सारथी, विवेक किण्डो व मंगलमूर्ति नेताम मौजूद रहे।

तेजी से फैल रहा आई फ्लू

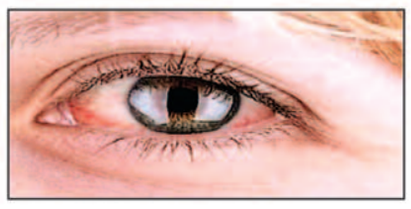

-संवाददाता-
सूरजपुर,02 अगस्त 2023, (घटती घटना)

जिला मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचल में आंख की संक्रमण की संक्रमण की बीमारी आई फ्लू तेजी से फैल रहा है। जिसके बचाव के लिए जिला प्रशासन व स्वास्थ विभाग क्षेत्रवासियो से एहतियात बरतने की अपील की है। इसके बचाव के लिए प्रशासन अधिक से अधिक प्रचार प्रसार और सावधानी रखने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग को दिए हैं। कंजक्टिवाआइटिस आंख की पारदर्शी झिल्ली के संक्रमित होने से कंजक्टिवाइटिस होता है। जिसे पिंक आई भी कहते है। इससे बचने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने सावधानी बरतने व संक्रमित व्यक्यिों से दूरी बनाए रखने की अपील की है। साथ ही संक्रमित होने से बचने के लिए भीड़ वाले स्थानों पर जाने से बचें। आंखों में सूजन, लालपन, खुजली, दर्द, सुबह के समय पलकों का चिपकना, कीचड़ और लालिमा है। ज्यादातर संक्रमण वायरस एवं बैक्टेरिया की वजह देखा जा रहा है। इस मौसम में बारिश के गंदे पानी के वजह से संक्रमण होता है। यह बीमारी एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में तेजी से फैलता है।

ये हैं बचाव के उपाय

आई फ्लू से पीडित व्यक्ति काला चश्मा पहनकर रखें। टीबी या मोबाइल देखने से बचें। आंखों को बार-बार छूने से बचें। आंखों को साफ करने के लिए गंदे कपडे का इस्तेमाल न करें। आंखों को छूने के बाद हाथों को साबुन से धायें या सेनिटाइज करें। सोने वाले तकिया का उपयोग संक्रमित व्यक्ति का न करें। अपना चश्मा, रूमाल, गमछा का उपयोग दूसरों को न करने दें। घर में एक व्यक्ति को होने पर अन्य व्यक्तियों के लिए सावधानी बरतें। गरम गुनगुना पानी से आंखों की कम से कम दो बार सेकाई करें।

आईफ्लू के लक्षण

प्रभारी सीएमएचओ एवं शिशु रोग चिकित्सक डॉ. अजय मरकाम ने बताया कि फ्लू में आंख लाल हो जाता है। आँखों से पानी आने लगता है और जलन होने लगती है। पौधों पर पीला और तारकीय जमाव प्रतीत होता है। आँखों में कठोरता होना के साथ. साथ में सूजन आ जाती है। आँखों से पानी आना और खुजली होना इसका सामान्य लक्षण है। अगर संक्रमण गहरा हो तो आंखों के कॉर्निया को भी नुकसान हो सकता है।सबसे ज्यादा खतरनाक बच्चों में सबसे ज्यादा होता है।

मतदाताओं को साइकिल रैली निकालकर किया गया जागरूक

-संवाददाता-
कोरबा, 02 अगस्त 2023
(घटती घटना)

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सौरभ कुमार के मार्गदर्शन में एकीकृत मतदाता सूची के प्रारंभिक प्रकाशन के अवसर पर आज जिला स्तरीय मतदाता जागरूकता हेतु सायकल रैली का आयोजन किया गया। जिला नोडल स्वीप एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विश्वदीप, निगमायुक्त सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक वर्मा, अपर कलेक्टर श्री प्रदीप साहू, अपर कलेक्टर श्री दिनेश कुमार नाग, उप जिला निर्वाचन अधिकारी मनोज खांडे, अन्य अधिकारी कर्मचारी सहित स्कूली छात्र छात्राओं ने रैली में शामिल होकर नगर वासियों को मतदाता जागरूकता हेतु प्रोत्साहित किया। एसडीएम कोरबा श्रीमती सीमा पात्रे ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रैली शहर जिला कार्यालय से निकलकर शहर के कोसाबाड़ी, सुभाष चौक घंटा घर जैसे मुख्य मार्गो से होते हुए मिनी माता गर्ल्स महाविद्यालय में समाप्त हुई। जहाँ उपस्थित सभी अधिकारी कर्मचारी व छात्र छात्राओं को शपथ दिलाई गई।

लोकतंत्र को मजबूत करने नापा अध्यक्ष ने अपने वार्ड में ली निर्भीक होकर मतदान करने की शपथ

-संवाददाता-
सूरजपुर, 02 अगस्त 2023
(घटती घटना)

नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 12 अग्रसेन वार्ड स्थित शासकीय बालक हायर सेकेंडरी स्कूल में मतदाता जागरूकता के तहत लोकतंत्र को मजबूत करते हुए निर्भीक होकर मतदान करने का संकल्प नगर के प्रथम नागरिक एवं नगर पालिका अध्यक्ष केके अग्रवाल के नेतृत्व में ली गई। हम भारत के नागरिक लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए किसी भी प्रकार के प्रलोभन में आए बगैर निर्भीक होकर मतदान करने की शपथ उपस्थित जनों को नगर पालिका अध्यक्ष केके अग्रवाल ने दिलाई। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष केके अग्रवाल, अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रवेश गोयल, बालक हायर सेकेण्डरी स्कूल के एसएस कुशवाहा, एस एस नसीम, मुकेश सिंह, बीएलओ उषा पांडेय समेत अन्य उपस्थित रहे।

CMYK

छेत्री,झिंगन,गुरप्रीत एशियाई खेलों के लिए भारतीय फुटबॉल टीम में

नई दिल्ली,02 अगस्त 2023। करिश्माई खिलाड़ी सुनील छेत्री, सीनियर डिफेंडर संदेश झिंगन और सीनियर गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू को एशियाई खेलों के लिए भारत की 22 सदस्यीय फुटबॉल टीम में शामिल किया गया। चीन के हांगझोउ में होने वाले एशियाई खेलों में टीम राष्ट्रीय टीम के मुख्य केच इगोर स्टिमक के मार्गदर्शन में खेलेगी। पीटीआई ने पहले खबर दी थी कि अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) छेत्री के नेतृत्व में और 1998 में विश्व कप सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली क्रोएशियाई टीम के सदस्य स्टिमक के मार्गदर्शन में एशियाई खेलों में अपनी शीर्ष टीम भेजने को लेकर उत्साहित था। पता चला है कि भारतीय को एशियाई खेलों के आयोजकों और एशियाई ओलंपिक परिषद से मंजूरी मिल गई है।

हांगझोउ खेलों में भारतीय पुरुष और महिला फुटबॉल टीम की भागीदारी पहले संदेह में थी क्योंकि खेल मंत्रालय ने पात्रता तय की थी कि महाद्वीप में शीर्ष आठ में शामिल टीम को ही खेलों के लिए भेजा जाएगा। एआईएफएफ की अपील के बाद हालांकि मंत्रालय ने बाद में पात्रता नियमों में ढील देखकर दोनों टीम को स्वीकृति दे दी। मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने भी इस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हस्तक्षेप की मांग की थी। भारतीय पुरुष टीम को ग्रुप ए में मेजबान चीन, बांग्लादेश और म्यांमार के साथ रखा गया है। टूर्नामेंट में 23 टीम हिस्सा ले रही हैं जिन्हें छह ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप ए, बी, सी, ई और एफ में चार-चार टीम को जगह मिली है जबकि ग्रूप डी में तीन टीम हैं। एशियाई खेलों में फुटबॉल प्रतियोगिता में अंडर-23 खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं लेकिन खेलों के आयोजन में एक साल के विलंब के कारण आयोजन ने 24 साल के खिलाड़ियों को भी खेलने की स्वीकृति दी है।

इसमें हिस्सा लेने के लिए कट ऑफ जन्म तिथि एक जनवरी 1999 तय की गई है। राष्ट्रीय फुटबॉल टीम 2018 में जकार्ता खेलों से बाहर रहने के बाद एशियाई खेलों में वापसी कर रही है। टीम इस प्रकार है- गोलकीपर- गुरप्रीत सिंह संधू, गुरमीत सिंह, धीरज सिंह मोइरंगथेम। डिफेंडर- संदेश झिंगन, अनवर अली, नरेंद्र गहलोत, लालचुंगनुंगा, आकाश मिश्रा, रोशन सिंह, आशीष राय। मिडफील्डर- जैकसन सिंह थौनाओजम, सुरेश सिंह वांगजैम, अपुइया राल्टे, अमरजीत सिंह कियाम, राहुल केपी, नाओरेम महेश सिंह। फारवर्ड- शिव शक्ति नारायणन, रहीम अली, सुनील छेत्री, अनिकेत जाधव, विक्रम प्रताप सिंह, रोहित दानू।

रोहित-विराट को बाहर करने पर प्रशंसक भड़के

नई दिल्ली ,02 अगस्त 2023। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली को वेस्टइंडीज के खिलाफ आखिरी दो वनडे मैचों के लिए आराम दिए जाने के बाद प्रशंसकों ने नाराजगी जताई।रोहित शर्मा और विराट कोहली को वेस्टइंडीज के खिलाफ आखिरी दो वनडे मैचों में प्लेइंग-11 से बाहर रखने के बाद क्रिकेट फैंस ने नाराजगी जताई और बीसीसीआई और टीम प्रबंधन की जमकर आलोचना की।

इतना ही नहीं, प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर सवाल उठाए, और भारतीय बोर्ड और कोच से पूछा कि जब रोहित और कोहली को आराम दिया जा रहा है तो वनडे सीरीज़ में उनका नाम क्यों लिया गया।हालांकि, एक यूजर ने कहा कि कोहली और रोहित को टीम में रखने के लिए बीसीसीआई पर ब्रॉडकास्टर्स का दबाव था। यूजर ने लिखा, अरे... ब्रॉडकास्टर्स प्रोमो में क्या डालेंगे फिर.. ऐड वालों को कैसे कन्विंस करेंगे।दिलचस्प बात यह है कि इस साल हमारे सामने आईसीसी वनडे विश्व कप है और हमारे मुख्य खिलाड़ी उससे पहले आराम कर रहे हैं और वनडे नहीं खेल रहे हैं।एक अन्य ने लिखा, अगर रोहित या विराट को वनडे सीरीज में नहीं खेलना है तो उन्हें ले जाने का कोई मतलब नहीं है।इस बीच, वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने मंगलवार को ब्रायन लारा स्टेडियम में तीसरे वनडे में टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। हार्दिक पांड्या एक बार फिर भारत की कमान संभालेंगे। टीम इंडिया की प्लेइंग-11 में दो बदलाव किए गए हैं, जिसमें अक्षर पटेल और उमरान मलिक की जगह ऋतुराज गायकवाड़ और जयदेव उनादकट शामिल हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान टीम पहुंची भारत

इस दिन खेला जाएगा भारत पाक हॉकी मैच

नई दिल्ली,02 अगस्त 2023। आज यानी गुरुवार से भारत में शुरू होने वाले एशियाई हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान और चीन की टीमें चेन्नई पहुंच गई हैं। इस दौरान पाकिस्तान के पुरुष हॉकी कोच शेख शाहनाज अपनी टीम के साथ मंगलवार को भारत पहुंचे। जहां उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी टीम भारत में खेलने के लिए हमेशा उत्साहित रहती है। दरअसल, पाकिस्तान टीम अमृतसर के अटारी-वाघा बॉर्डर के जरिए भारत में आई और उसके बाद वहां से उन्होंने बेंगलुरु होते हुए चेन्नई के लिए उड़ान भरी।

वहीं टूर्नामेंट की तैयारियों और भारत में खेलने के बारे में पाकिस्तान कोच शेख शहनाज ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा कि, हम भारत में खेलने के लिए हमेशा उत्हासित रहते हैं। इससे निश्चित रूप से दबाव बढ़ता है। लेकिन अच्छी क्वालिटी वाले खिलाड़ी जानते हैं कि कैसे प्रदर्शन करना है। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट तीन अगस्त से 12 अगस्त तक चेन्नई में खेला जाएगा। इसमें 6 टीमें, भारत, पाकिस्तान, चीन, जापान, मलेशिया और कोरिया एक-दूसरे से भिड़ेंगी। वहीं पाकिस्तान जिसने भारत के बराबर ही एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता है, दोनों ही इस टूर्नामेंट की सबसे सफल टीमों में से एक हैं। पाकिस्तान अपने अभियान की शुरुआत तीन अगस्त को मेलिशिया के खिलाफ करेगा।

बता दें कि, भारत और पाकिस्तान के बीच 9 अगस्त को रात 8.30 बजे मुकाबला खेला जाएगा। जबकि इंडिया को 3 अगस्त को चीन के साथ टकराना है। वहीं पाकिस्तान का मुकाबला 4 अगस्त को कोरिया के साथ होगा। इसके बाद भारत 4 अगस्त को जापान और पाकिस्तान 6 अगस्त को जापान से टकराएगा। इसके अलावा 7 अगस्त को जहां पाकिस्तान चीन से भिड़ेगा वहीं भारत भी इसी दिन रात 8.30 बजे साउथ कोरिया के खिलाफ मुकाबला खेलेगा।

इसके साथ ही पाकिस्तान कप्तान उमर भुट्टा ने कहा कि, हमारी टीम के कई युवा खिलाड़ी हाल ही में जूनियर एशिया कप में खेले थे। इसलिए उनके लिए ये टूर्नामेंट कुछ हद तक परिचित होगा और उन्हें यहां कि परिस्थितियों से अभ्यस्त होना और ऐसे उच्च स्तरीय टूर्नामेंट में खेलना बहुत मुश्किल नहीं होगा। क्योंकि मुझे लगता है कि एक खिलाड़ी को दबाव सहने की आदत होती है। इसलिए वो कठिन परिस्थितियों में प्रदर्शन कर सकता है।

उम्मीद करता हूं कि बुमराह भविष्य में चोटों से रहें मुक्त : हरभजन

नई दिल्ली ,02 अगस्त 2023। भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह भारतीय टीम में जसप्रीत बुमराह की वापसी से खुश हैं और कामना करते हैं कि तेज गेंदबाज भविष्य में चोट मुक्त रहें । इंजरी के कारण 10 महीने तक टीम इंडिया से बाहर रहे जसप्रीत बुमराह आयरलैंड के खिलाफ 18 अगस्त से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए कप्तान बनाए जाने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने के लिए तैयार हैं। अपने यूट्यूब चैनल पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में हरभजन ने बुमराह को उनके ठीक होने पर बधाई दी और तेज गेंदबाज को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

हरभजन ने कहा, जसप्रीत बुमराह ने वापसी की है। वह लंबे समय से चोटिल थे और सबको उनकी वापसी का इंतजार था। वह वापस आ गए हैं और सीधे कप्तान बना दिए गए हैं। जस्सी को कप्तान बनने के लिए बधाई और सबसे महत्वपूर्ण फिट होने के लिए। मैं कामना करता हूं कि जस्सी फिर से घायल न हो जाएं।

बुमराह काफी समय से एक्शन से दूर हैं। इंजरी के कारण वो ऑस्ट्रेलिया में पुरुष टी20 विश्व कप से भी चूक गए।साथ ही यूएई में हुए एशिया कप में भी वो नजर नहीं आए। 29 वर्षीय खिलाड़ी ने इस साल जनवरी में श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए वापसी का प्रयास किया। लेकिन वो इसमें सफल नहीं हुए।

हरभजन ने कहा कि बुमराह तेज गेंदबाजी विभाग में उतना ही महत्व रखते हैं जितना कि विराट कोहली बल्लेबाजी में रखते हैं। उन्हें बहुत याद किया गया है, चाहे आप डब्ल्यूटीसी फाइनल देखें या उससे पहले खेले गए क्रिकेट को देखें। मैं पहले भी कहता था और आज भी कह रहा हूं कि अगर हम बल्लेबाजी के बारे में बात करते हैं, तो हम विराट कोहली के बारे में बात करते हैं, और अगर गेंदबाजी में कोई विराट कोहली हैं, तो वह हैं जसप्रीत बुमराह। उनसे बड़ा कोई नाम नहीं है।

इस गेंदबाज ने 60 टी20 में 6.62 की इकॉनमी रेट के साथ 70 विकेट लिए हैं।

सिनसिनाटी मास्टर्स में युगल खेलेंगे जोकोविच

ओहियो ,02 अगस्त 2023। सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने जारी प्रवेश सूची के अनुसार, सिनसिनाटी मास्टर्स में हमवतन निकोला कैसिक के साथ युगल ड्रॉ के लिए साइन किया है, जो यूएस ओपन से पहले उनका एकमात्र अभ्यास कार्यक्रम है। 23 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता की एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट के एकल के लिए पहले ही पुष्टि हो चुकी थी, जो 13-20 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा।

यह पहली बार नहीं होगा जब जोकोविच युगल स्पर्धा खेलेंगे। इससे पहले, उन्होंने साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपने सफल खिताब से पहले युगल खेला था जब उन्होंने एडिलेड ओपन में वासेक पोस्पिसिल के साथ जोड़ी बनाई थी, लेकिन यह जोड़ी पहले दौर में हार गई थी। विंबलडन फाइनल में दो सप्ताह से थोड़ा अधिक पहले विश्व नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज के खिलाफ हार के बाद से सर्बियाई खिलाड़ी एक्शन से बाहर है। उन्होंने कैनेडियन ओपन को छोड़ कर टेनिस कोर्ट में अपनी वापसी में और देरी कर दी। सिनसिनाटी में एकल और युगल मुकाबले 28 अगस्त को न्यूयॉर्क के फ्लशिंग मीडोज में शुरू होने वाले वर्ष के अंतिम ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन से पहले जोकोविच के एकमात्र प्रतिस्पर्धी मैच होंगे।

जोकोविच दो साल में पहली बार अमेरिका लौटेंगे। वह वैक्सीन प्रोटोकॉल के कारण पिछले साल के संस्करण से चूक गए थे, जिसके लिए अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को कोविड-19 के खिलाफ टीकाकरण की आवश्यकता होती है

केन विलियमसन की मैदान पर वापसी

टौरंगा ,02 अगस्त2023। न्यूजीलैंड के व्हाइट बॉल कप्तान केन विलियमसन वनडे विश्व कप 2023 में मैदान पर वापसी कर सकते हैं, उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर बल्लेबाजी सत्र शुरू करने का एक वीडियो पोस्ट किया है।

न्यूजीलैंड टीम के कप्तान केन विलियमसन आईपीएल के दौरान चोटिल हो गए थे। उनकी इंजरी देखकर यह कहा जा रहा था कि वनडे वर्ल्डकप 2023 में उनका खेलना बहुत मुश्किल है। लेकिन अब एक ऐसी खबर आई है जिससे कीवी फैंस राहत की सांस से सकते हैं। केन विलियमसन ने मैदान पर वापसी की है, उन्होंने खुद इसका वीडियो शेयर किया।

अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर नेट्स में बल्लेबाजी की छोटी क्लिप शेयर करते हुए विलियमसन ने लिखा, नेट्स पर बल्लेबाजी के लिए लौटना अच्छा रहा।

अहमदाबाद में 31 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल 2023 के शुरुआती मैच में गुजरात टाइटंस के लिए खेलते समय विलियमसन को पैर में चोट लगी थी। सीजन के अपने पहले ही मैच में विलियमसन बॉउंड्री लाइन पर कैच पकड़ते हुए गिर पड़े थे। इसके बाद वो मैदान से बाहर चले गए। इंजरी के कारण उन्हें आईपीएल 2023 के शेष मैचों से बाहर होना पड़ा।

बैसाखी के सहारे चलते हुए अपने देश लौटे विलियमसन को सर्जरी भी करानी पड़ी। उनके वनडे वर्ल्ड कप में खेलने की संभावना बहुत कम थी। मगर अब ऐसा लगा रहा है कि वो मैदान में वापसी कर सकते हैं।

वरुण तेज अभिनीत गांडीवधारी अर्जुन का टीजर रिलीज

वरुण तेज अभिनीत गांडीवधारी अर्जुन का पहला आधिकारिक टीजर आउट हो गया है और यह शानदार एक्शन से भरपूर है। एसवीसीसी के आधिकारिक हैंडल ने टीजर को सोशल मीडिया पर साझा किया।

यह फिल्म एक एक्शन थ्रिलर है जो एक विशेष एजेंट के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक वायरल-आतंकी-हमले से बचने की कोशिश कर रहा है, लेकिन उसका मिशन तब व्यक्तिगत हो जाता है जब उसके प्रियजन खतरे में पड़ जाते हैं। बंदूकें, विस्फोट, कार का पीछा और अंतरराष्ट्रीय अपराध सिंडिकेट, टीजर में सब कुछ है।

फिल्म में साक्षी वैद्य, नासर, विमला रमन, विनय राय, नारायण, रोशिनी प्रकाश, मनीष चौधरी, अभिनव गोमतम, रवि वर्मा, कल्पलता और बेबी वेदा भी हैं। प्रवीण सत्तारू द्वारा निर्देशित, गांडीवधारी अर्जुन 25 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। गांडीवधारी अर्जुन के अलावा, वरुण तेज वीटी 13 नामक एक और मनोरंजक हवाई एक्शन थ्रिलर फिल्म में भी दिखाई देंगे, जहां वह अभिनेता मानुषी छिल्लर के साथ अभिनय करेंगे, जो तेलुगु सिनेमा में अपनी शुरुआत कर रही हैं। यह फिल्म सच्ची घटनाओं पर आधारित है।

दृश्यम फेम श्रिया सरन ने हॉटनेस से बढ़ाया सोशल मीडिया का पारा

दृश्यम फेम एक्ट्रेस श्रिया सरन फिल्म में भले ही एक सीधी पत्नी के रूप में नजर आई हों लेकिन रियल लाइफ में वो बेहद ही बोल्ड और स्टाइलिश एक्ट्रेस हैं। उनकी स्टाइलिश तस्वीरें फैंस के दिलों को बेताब किए हुए हैं। एक्ट्रेस श्रिया सरन ने ब्लू कलर की आउटफिट के साथ मल्टीकलर एम्ब्राडरी लुक में नजर आ रही हैं। जो फैंस को काफी पसंद आ रही हैं। डीपनेक और थाई स्लिट आउटफिट में एक्ट्रेस श्रिया सरन बेहद ही स्टाइलिश लुक में नजर आ रही हैं। मिनिमल मेकअप और डीपनेक आउटफिट में एक्ट्रेस श्रिया सरन अपनी जमकर क्लीवेज फ्लॉन्ट कर रही हैं। चेहरे पर लाइट लिपस्टिक और खुले बाल के साथ एक्ट्रेस अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं। एक्ट्रेस श्रिया सरन सोशल मीडिया पर अपनी निजी और प्रोफेशनल तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। श्रिया सरन अपने अतरंगी रूपों के कारण अक्सर सुर्खियों का विषय बनी रहती हैं, उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर कहर बरपाती रहती हैं। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस श्रिया सरन की ग्लैमरस अदाएं फैंस के दिलों पर कहर बरपाती रहती हैं। फैंस एक्ट्रेस की तस्वीरों का बेसब्री से इंतजार करते रहते हैं। एक्ट्रेस श्रिया सरन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल हो जाती हैं।

एटली और वरुण धवन की आगामी फिल्म का हिस्सा बनीं वामिक गब्बी

अभिनेत्री वामिका गब्बी को पिछली बार वेब सीरीज जुबली में देखा गया था। यह सीरीज अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है।अब जुबली की आपार सफलता के बाद वामिका के हाथ एक एटली कुमार की आगामी फिल्म लग गई है, जिसमें वह वरुण धवन के साथ नजर आएंगी। हालांकि, इस खबर की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। रिपोर्ट के अनुसार, निर्माताओं ने कुछ दिन पहले मुंबई के एक 5 स्टार हॉटल में फिल्म का छोटा सा मुहूर्त रखा था। एटली और वरुण की आगामी फिल्म इसलिए ज्यादा खास है क्योंकि साउथ में अपना जलवा बिखेरने के बाद अब कीर्ति सुरेश बॉलीवुड में अपना सिक्का जमाने को तैयार हैं।यह एक एक्शन एंटरटेनर फिल्म है, जिसका निर्देशन कलीस कर रहे हैं।एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म की शूटिंग अगले महीने मुंबई में शुरू होगी। यह वरुण धवन की 18वीं फिल्म होगी और यह तमिल फिल्म थेरी की रीमेक है। रीमेक के लिए एटली ने स्क्रिप्ट को नए सिरे से तैयार किया है। उत्तर भारतीय दर्शकों के हिसाब से इसमें नए किरदार और ट्विस्ट जोड़े गए हैं। रिलीज डेट के बाद दर्शकों को इसके नाम का इंतजार है। फिलहाल फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है।यह फिल्म 31 मई, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शोभिता धुलिपाला की मेड इन हेवन 2 का ट्रेलर जारी, 10 अगस्त को अमेजन प्राइम वीडियो पर देगी दस्तक

अभिनेत्री शोभिता धुलिपाला पिछले कुछ वक्त से अपनी आने वाली वेब सीरीज मेड इन हेवन 2 को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं।यह सीरीज साल 2019 में आई मेड इन हेवन का सीक्वल है, जो अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है।अब निर्माताओं ने मंगलवार को मेड इन हेवन 2 का ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसकी कहानी बेहद दिलचस्प लग रही है। मेड इन हेवन 2 का प्रीमियर 10 अगस्त को अमेजन प्राइम वीडियो पर किया जाएगा।

मेड इन हेवन सीजन 2 का ट्रेलर इसके मेन किरदार के जीवन के बारे में बताता है, जो सीजन 1 में एक ऐसे पड़ाव पर थे, जब उन्हें एक बहुत ही अहम फैसला लेना था। नई दुल्हनों और नई चुनौतियों के साथ वेडिंग प्लानर अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ की परेशानियों से जूझते हुए। इसमें रोमांस, ड्रामा और शादियों के साथ-साथ जाने- पहचाने, नए चेहरों और दिल छू लेने वाली कहानी देखने को मिलेगी।

शोभिता धूलिपाला ने बताया, मेड इन हेवन सीजन 2 में तारा के रूप में वापस आना अच्छा लगता है। मेरे लिए तारा का सर आकर्षक होने के साथ चुनौतीपूर्ण भी रहा है, क्योंकि वह भव्य शादियों की योजना बनाते हुए आदिल और फैजा के साथ अपने निजी जीवन को आगे बढ़ाती है। दूसरे सीजन की शूटिंग के लिए मैंने बहुत ही अविश्वसनीय समय दिया और मुझे लगता है कि यह सीजन हमारे दर्शकों को और भी अधिक पसंद आएगा। पिछले सीजन से दर्शकों की अपेक्षाओं से मेल खाने और यहां तक कि उससे आगे निकलने का थोड़ा दबाव है, लेकिन मैं इसे लेकर पॉजिटिव हूं। मुझे यकीन है कि मेड इन हेवन सीजन 2 दर्शकों को रोमांचित करेगा।

ओटीटी प्लेटफॉर्म ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर मेड इन हेवन 2 का ट्रेलर साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, और एक बार फिर हमें एक नई और भव्य मेड इन हेवन शुरुआत मिली है।मेड इन हेवन 2 का निर्माण नित्या मेहरा, जोया अख्तर, प्रशांत नायर और अलंकृता श्रीवास्तव द्वारा किया जा रहा है।इसमें अर्जुन माथुर, कल्कि कोचलिन, जिम सरभ और शिवानी रघुवंशी जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

CMYK

तबादला सूची में संशोधन आदेश के नाम पर करोड़ों का खेल

» संयुक्त संचालक और 10 शिक्षा अधिकारी निलंबित

» 1400 शिक्षकों के तबादला आदेश में संशोधन संदिग्ध

रायपुर,02 अगस्त 2023(ए) । छत्तीसगढ़ में स्कूल शिक्षा विभाग में शिक्षकों के तबादला और संशोधन आदेश में बड़ा घालमेल का पता चला है। मामला खुलते ही शिक्षा विभाग के 3 संयुक्त संचालक स्तर और 10 शिक्षा अधिकारी पर निलंबन की गाज गिरी है।

इन सभी पर आरोप है कि शासन स्तर पर निकाले गए ट्रांसफर आदेश पर तकरीबन 1400 से अधिक शिक्षकों के आदेश में फेरबदल कर संशोधित आदेश के नाम पर करोड़ों रुपए का खेल किए हैं।

जानकारी के मुताबिक प्रशासनिक आदेश को पलिता लगाते हुए विभागीय अधिकारियों कर्मचारियों ने ट्रांसफर लिस्ट मे लेनदेन कर मनमाफिक संशोधन किया।

इसका खुलासा होने के बाद विभागीय मंत्री तक संशोधन आदेश से नाराज थे और विभाग के आला अफसर तक।लेकिन घोटालेबाज गिरोह बेखौफ़ शासनादेश को मजाक बनाकर पैसा कमाते रहे।

कहां कितनी पदोन्नति और संशोधन हुआ

सरगुजा

2793 शिक्षकों की पदोन्नति हुई।

जावक पंजी में 2767 का आदेश मिला। 26 लोगों की आदेश प्रविष्टि जावक पंजी से गायब। 385 शिक्षकों के पोस्टिंग आदेश में संशोधन। इसमे भी जावक पंजी में सिर्फ 301 की संख्या दर्ज है। 84 नामों मे खेल किया गया।

दुर्ग

1504 सहायक शिक्षक की पदोन्नति हुई।काउंसलिंग के जरिए पदस्थापना। बाद मे 438 शिक्षक के आदेश पर संशोधन किया गया।

रायपुर

3335 पद रिक्त हैं। ई और टी संवर्ग में 1283 शिक्षक के प्रमोशन आदेश जारी हुए। ओपन काउंसलिंग के बाद पदस्थापना में संशोधन करते हुए 778 के अभ्यावेदन प्राप्त हुए थे। निर्णय लेने छानबीन समिति बनाई गई थी। 778 में से 543 शिक्षक के पदस्थापना आदेश संशोधन किए गए।

इन पर विभागीय खलनायक होने का आरोप

प्रभारी संभागीय संयुक्त संचालक सरगुजा हेमंत उपाध्याय, प्रभारी संयुक्त संचालक जी एस मरकाम रायपुर संभागीय संयुक्त संचालक के कुमार, बलोदबाजर -भाटापारा के जिला शिक्षा अधिकारी सीएस ध्रुव, सीमगा विकास खंड शिक्षा अधिकारी एसके गंदले, डाईट के प्राचार्य आरके वर्मा, संभागीय शिक्षा कार्यालय रायपुर के सहायक संचालक डीएस ध्रुव, सहायक संचालक श्रीमती शैल सिन्हा, श्रीमती उषा किरण खलखो, धरसिंवा विकासखंड शिक्षा अधिकारी संजय पुरी गोस्वामी नामजद आरोपी हैं।

कर्मचारियों को मिलेगा बढ़ी हुई दर पर महंगाई भत्ता और गृह भाड़ा भत्ता का लाभ

रायपुर,02 अगस्त 2023(ए) । मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान कर्मचारी हित में की गई घोषणाएं अब पूरी कर दी गई है। मुख्यमंत्री की घोषणाओं के अनुरूप शासकीय कर्मियों के महंगाई भत्ता और गृह भाड़ा भत्ता में वृद्धि के साथ ही संविदा कर्मचारियों के वेतन में भी एकमुश्त वृद्धि के आदेश वित्त विभाग द्वारा जारी कर दिए गए है। जारी आदेश में पेंशनरों के महंगाई भत्ता भी बढ़ा दिया गया है।

वित्त विभाग द्वारा जारी निर्देश के अनुसार राज्य शासन के कर्मचारियों को 1 जुलाई 2023 से सातवें वेतनमान के अनुसार दिए जा रहे 38 प्रतिशत महंगाई भत्ता में 4 प्रतिशत वृद्धि करते हुए 42 प्रतिशत किया गया है। बढ़े हुए महंगाई भत्ते की राशि 1 जुलाई 2023 से दी जाएगी। इसी प्रकार छठवां वेतनमान के अनुरूप 1 जुलाई 2023 से दिए जा रहे 212 प्रतिशत महंगाई भत्ता में 9 प्रतिशत वृद्धि करते हुए 221 प्रतिशत कर दिया गया है, जो 1 जुलाई 2023 से देय होगा।

इसी प्रकार वित्त विभाग द्वारा राज्य शासन के कर्मचारियों के लिए सातवें वेतनमान के अनुसार गृह भाड़ा भत्ते की पुनरीक्षित दरें स्वीकृत की गई है। राज्य शासन के कर्मचारियों को बी-2 श्रेणी के रायपुर व दुर्ग, भिलाई नगर के लिए 9 प्रतिशत गृह भाड़ा भत्ता दिया जाएगा। वहीं सी श्रेणी के शहरों बिलासपुर, कोरबा, राजनांदगांव, जगदलपुर, रायगढ़ चिरमिरी, दल्लीराजहरा, अम्बिकापुर, धमतरी, भाटापारा तथा जांजगीर चाम्पा के लिए 6 प्रतिशत गृह भाड़ा भत्ता दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त अन्य क्षेत्रों के लिए 6 प्रतिशत तथा दिल्ली स्थित राज्य शासन के कार्यालय में 27 प्रतिशत गृह भाड़ा दिया जाएगा। गृह भाड़ा भत्ता की दर आदेश जारी होने की तिथि से प्रभावशील होगी।

विभिन्न पदों पर एकमुश्त संविदा वेतन में वृद्धि

राज्य शासन के सेवाओं के विभिन्न पदों पर एकमुश्त संविदा वेतन का निर्धारण करते हुए वृद्धि की गई। यह वृद्धि 1 जुलाई 2023 से प्रभावशील होंगी। संविदा नियुक्ति के पद के पुनरीक्षित वेतन संरचना में वेतन मेट्रिक 01 से 16 लेवल तक के कर्मियों के मासिक एकमुश्त संविदा वेतन 14,400 से लेकर 1,19,715 रूपए तक एकमुश्त संविदा वेतन निर्धारित किया गया है।

पेंशनरों के महंगाई राहत में वृद्धि

छत्तीसगढ़ राज्य के पेंशनरों के लिए महंगाई राहत की पुनरीक्षित दरें लागू की गई है। राज्य के पेंशनर व परिवार पेंशनरों को 7वें वेतनमान के अनुसार अब 38 प्रतिशत तथा 6वें वेतनमान के पेंशनरों को 212 प्रतिशत महंगाई राहत दिया जाएगा। महंगाई राहत की नए दरें 1 जुलाई 2023 से दी जाएगी।

12वीं के साथ आईटीआई का छत्तीसगढ़ मॉडल पूरे देश में होगा लागू

» केंद्र के प्रशिक्षण निदेशालय ने गठित की समिति

रायपुर,02 अगस्त 2023(ए) । 12वीं के साथ आईटीआई व्यावसायिक प्रशिक्षण के छत्तीसगढ़ मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है. छत्तीसगढ़ में लागू संयुक्त पाठ्यक्रम की तर्ज पर अब केंद्र सरकार पूरे देश में स्कूल एजुकेशन के साथ वोकेशनल ट्रेनिंग का इंटिग्रेटेड कार्यक्रम लागू करना चाहती है।

अधिकारियों के मुताबिक इसके लिए कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के अन्तर्गत प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) भारत सरकार ने एक समिति गठित की है. यह समिति स्कूल शिक्षा के साथ व्यावसायिक प्रशिक्षण के एकीकरण के लिए दिशा-निर्देश तैयार करेगी. प्रशिक्षण महानिदेशालय के निदेशक द्वारा इस समिति में छत्तीसगढ़ से प्रतिनिधि नामांकित करने का अनुरोध किया गया है.

119 स्कूलों एवं आईटीआई में 10 ट्रेडों में प्रशिक्षण

वर्ष 2021 से 2023 के सत्र में स्कूली शिक्षा प्राप्त करने के साथ-साथ आईटीआई में प्रशिक्षण प्राप्त करने की योजना 116 विकास खंडों के 119 स्कूलों एवं आईटीआई में प्रारंभ की गई है. जिसमें विद्यार्थियों ने आईटीआई के 10 ट्रेडों में प्रशिक्षण प्राप्त किया है. योजना के तहत उद्यमिता कौशल को व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का अनिवार्य हिस्सा बनाया गया है।

छत्तीसगढ़ वापसी को बेकरार बीजेपी

रायपुर,02अगस्त 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में 2023 विधानसभा चुनाव के करीब आते ही बीजेपी में बैठकों का दौर जारी हो गया है। खबर है कि कुशाभाऊ कार्यालय में फिलहाल मोर्चा प्रकोष्ठ और समितियों के पदाधिकारियों से चर्चा की जा रही है।

भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ की सत्ता में वापसी के लिए हर मोर्चे पर उतर रही है। संगठन में हर एक स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा की जा रही है। इससे पहले भाजपा महामंत्रियों की बैठक भी ली गई थी।

यह महत्तवपूर्ण बैठक राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ले रहे हैं। इसमें प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, सह प्रभारी नितिन नवीन ले रहे हैं। इस बैठक में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव भी मौजूद हैं।

ऐसी खबरें मिल रही हैं कि इस बैठक में विधानसभा चुनाव में सत्ता का गणित बैठाने रणनीति तैयार की जा रही है। हर विधानसभा के लिए भाजपा के दिग्गज नेता एक्शन प्लान तैयार कर रहे हैं। साथ ही चुनावी समिति, संभाग प्रभारियों और मोर्चा के पदाधिकारियों से भी चर्चा की जा रही है।

रिटायर्ड आईएएस अमृत खलखो को मिली संविदा नियुक्ति

रायपुर,02 अगस्त 2023(ए) ।छत्तीसगढ़ सरकार ने रिटायर्ड आईएएस अमृत कुमार खलखो को संविदा नियुक्ति दी है। खलखो को एक वर्ष की अवधि के लिए समाज कल्याण विभाग में सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही उन्हें राज्यपाल का सचिव और समाज कल्याण आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी आदेश में खलखो को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (संविदा नियुक्ति) नियम, 2012 के प्रावधानों और शर्तों पर नियुक्ति प्रदान की गई है।

चिटफंड पीड़ितों को 4 करोड़ 13 लाख 88 हजार 996 रुपए की राशि लौटाई गई

रायपुर,02अगस्त 2023(ए)। राज्य के मुखिया मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा चिटफंड पीड़ित निवेशकों को न्याय दिलाने शुरू किए गए न्याय कार्यक्रम के तहत आज 35 हजार 378 पीड़ित निवेशकों को 4 करोड़ 13 लाख 88 हजार 996 रुपए की राशि लौटाई गई। अब तक 81 हजार 204 पीड़ित निवेशकों को 37 करोड़ 92 लाख 99 हजार 656 रुपए की राशि लौटाई गई है। छत्तीसगढ़ के निक्षेपकों के हितों का संरक्षण अधिनियम 2005 के तहत कार्रवाई की गई है। 208 चिटफंड कंपनियों के खिलाफ 462 प्रकरण दर्ज हैं,700 से अधिक डायरेक्टर्स/ पदाधिकारियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

सीएम बघेल ने बीजेपी पर साधा निशाना

देश का माहौल खराब कर रही भाजपा

रायपुर,02अगस्त 2023(ए)। देश में अभी मणिपुर और हरियाणा में हो रहे हिंसा के मामले में राजनीती खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। हिंसा को लेकर सभी जगह बयानबाजी का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मणिपुर और हरियाणा की घटना को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा है। सीएम बघेल भाजपा पर देश में माहौल खराब करने का आरोप लगाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देश के कई राज्यों में हिंसा हो रही है। लोगों के दिलो-दिमाग में नफरत भर दिया गया। कांग्रेस इसी नफरत के खिलाफ लड़ रही है। राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा इसी मकसद से की थी। सीएम बघेल ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के छत्तीसगढ़ के दौरे को लेकर कहा कि फिलहाल कार्यक्रम तय नहीं हुआ है। इसी महीने दौरा प्रस्तावित है। बता दें कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज दूधाधारी मठ में पूजा के बाद रायपुर दक्षिण विधानसभा में डोर-डोर चुनाव प्रचार अभियान का आगाज किया। कांग्रेस ने इस प्रचार अभियान को 'प्रगति यात्रा' नाम दिया है। इस अभियान के तहत मुख्यमंत्री बघेल कुछ घरों में पहुंचे और कांग्रेस सरकार की योजनाओं पर जनता से फीडबैक लिया। इसी तरह रायपुर के 4 विधानसभा के 70 वार्डों में यह अभियान चलेगा।

लड़की को लात मारने के मामले में हॉस्टल के अधीक्षक हुए सस्पेंड

मंडल संयोजक को नोटिस जारी

बीजापुर,02अगस्त 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में प्री-मैट्रिक बालक छात्रावास एक छात्र लो लात मरने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। छात्रावास आवापल्ली की घटना संबंधी वीडियो वायरल के बाद कलेक्टर राजेन्द्र कुमार कटारा ने घटना ने बड़ा कदम उठाया है। कलेक्टर के निर्देसग पर छात्रावास के अधीक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर क्र दिया गया है। साथ ही मंडल मंडल संयोजक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। वही ख्रह्वक्र दर्ज करने के भी निर्देश दिए है। वहीं वही इस घटना पर प्रदेश में राजनीती भी शुरू हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने भूपेश सरकार को आड़े हाथो लिया है। बता दें कि कलेक्टर राजेन्द्र कुमार कटारा ने घटना का वीडियो वायरल होने के बाद त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश सहायक आयुक्त आदिवासी विकास केएस मशराम को दिए थे।

क्या था पूरा मामला

दरअसल सोमवार की शाम को एक वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें प्री मेट्रिक छात्रावास में दसवीं क्लास में पढ़ने वाले छात्र से बारहवीं की छात्रा अंक सूची मांग रही है। लेकिन छात्र उसे अंक सूची नहीं देने की जिद कर रहा हैं। दोनों में नोकझोंक बढ़ी और तैस में आकर लड़के ने लड़की को पेट मे लात मार दी। जिससे लड़की रोते हुए वहीं गिर पड़ी। इस घटना का वीडियो वहीं के छात्रों द्वारा बना लिया गया और उसे वायरल कर दिया। वीडियो के वायरल होते ही हड़कंप मच गया। आनन-फानन में मंगलवार की सुबह सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग ने प्री मेट्रिक छात्रावास का दौरा कर पूरे मामले से रूबरू हुए। सहायक आयुक्त ने कलेक्टर के निर्देश पर प्री मेट्रिक छात्रावास अधीक्षक रुद्रप्रताप झाड़ी को निलंबित कर दिया हैं।

वीर शहीद रामकुमार कश्यप के 12 वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ सम्पन्न

-दुलारे अंसारी-
जांजगीर चांपा,02अगस्त 2023 (ए)। आपको बताते दे वीर शहीद रामकुमार कश्यप का जन्म ग्राम महंत के पवन भूमि 31 जुलाई 1975 को हुआ था जो कि पुलिस सेवा में 13 मई 2005 को पदार्पण आरक्षक के पद पर चयन हुआ जिन्होंने जिला बीजापुर पदस्थापना के दौरान 2 अगस्त 2011 को असुर आवापल्ली मार्ग में नक्सलियों से मुठभेड़ के दौरान वीरगति को प्राप्त हुए थे। जिनके शहादत दिवस के दिन को घर के लोगों द्वारा और अथरिया क्षत्रिय कुर्मी समाज के लोगों के द्वारा प्रतिवर्ष 2 अगस्त को श्रद्धांजलि सभा के रूप में मनाया जाता है। वही आज 12वी पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन रखा गया था जिसमें जिले के पुलिस अधीक्षक एवं अथरिया क्षत्रिय कुर्मी समाज के लोग और शहीद रामकुमार उच्चतर. माध्यमिक शाला महंत के छात्र छात्राओं के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण भी उपस्थित थे। जिन्होंने वीर शहीद राम कुमार कश्यप की मूर्ति पर श्रद्धांजलि अर्पित की और पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल के द्वारा शहीद रामकुमार उच्चतर. माध्यमिक शाला महंत के प्रतिभावान छात्र छात्राओं को सम्मानित भी किया गया। वही आज के इस श्रद्धांजलि सभा के आयोजन में मुख्य रूप से पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल, छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस सचिव इंजीनियर रवि पाण्डेय , कृषि उपज मंडी जांजगीर-नैला समिति अध्यक्ष व्यास कश्यप, सर्व कुर्मी जिला अध्यक्ष बिशुनलाल कश्यप, अथरिया कुर्मी क्षत्रिय समाज प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर कश्यप, उपाध्यक्ष टीकम कश्यप,कोषाध्यक्ष रामकिशुन कश्यप, महानिरीक्षक शिवगोपाल कश्यप, व शहीद रामकुमार उच्चतर. माध्यमिक शाला महंत के समस्त शिक्षक एवं समस्त विद्यार्थीगण व समाज के समस्त वरिष्ठ जन सहित ग्रामवासी उपस्थित थे ।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)